वर्ष : 34 | अंक : 265 | मुंबई, मंगलवार, 2 दिसंबर 2025 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

महायुति और एमवीए में सीधी टक्कर

यह चुनाव भाजपा नेतृत्व वाली महायुति जिसमें भाजपा, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी शामिल हैं और विपक्षी महा विकास आघाड़ी (एमवीए) जिसमें उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी), शरद पवार की एनसीपी (एसपी) और कांग्रेस शामिल हैं के बीच सीधी प्रतिस्पर्धा मानी जा रही है। विधानसभा चुनावों में महायुति की 235 सीटों की ऐतिहासिक जीत के बाद अब यह वोटिंग बताएगी कि क्या वही लहर स्थानीय निकायों में भी कायम रहती है, या फिर विपक्ष ग्रामीण और शहरी स्तर पर वापसी का संकेत दे पाता है। भाजपा ने तो 100 पार्षद और तीन नगराध्यक्ष पद बिना मुकाबले जीत भी लिए हैं।

प्रचार का अंतिम दौर और आचार संहिता

प्रचार सोमवार रात 10 बजे पूरी तरह बंद हो गया। वोटिंग के दिन किसी भी तरह का चुनावी विज्ञापन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। 'मीडिया रेगुलेशन एंड एडवर्टाइजमेंट सर्टिफिकेशन ऑर्डर 2025' के अनुसार 2 दिसंबर को किसी भी अखबार, टीवी चैनल या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विज्ञापन प्रकाशित नहीं किया जा सकेगा। आयोग ने उम्मीदवारों की जानकारी देने के लिए मोबाइल ऐप और डुप्लीकेट वोटरों की पहचान के लिए डबल स्टार सिस्टम लागू किया है।

DBD
दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

सत्ता का सेमीफाइनल

पहले चरण की वोटिंग आज

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों की पहली बड़ी परीक्षा दो दिसंबर को होने जा रही है। इसमें पूरे राज्य की नजर महायुति और महा विकास आघाड़ी की सीधी राजनीतिक भिड़ंत पर टिकी है। 264 नगर परिषदों और नगर पंचायतों में होने वाली वोटिंग को विधानसभा चुनावों के बाद जनता के मूड का अगला बड़ा संकेतक माना जा रहा है। लगभग एक वर्ष से लटके हुए इन चुनावों को लेकर राजनीतिक तापमान तेज है और दोनों गठबंधन पूरे दम-खम के साथ मैदान में हैं।

6,705 सदस्य पदों और 264 अध्यक्ष पदों का भविष्य

पहले चरण में करीब एक करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे। 2 दिसंबर को होने वाली यह वोटिंग 6,705 सदस्य पदों और 264 अध्यक्ष पदों का भविष्य तय करेगी। चुनाव की पूरी प्रक्रिया इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों से होगी और नतीजे 3 दिसंबर को आएंगे। हालांकि 24 स्थानीय निकायों में चुनाव स्थगित कर 20 दिसंबर को कराए जाएंगे, क्योंकि नामांकन की जांच में अनियमितताएं, अपीलों पर देर से आए निर्णय और चुनाव चिह्न आवंटन में खामियों के कारण राज्य निर्वाचन आयोग ने इन्हें रोक दिया। कई मामलों में उम्मीदवारों को नाम वापस लेने के लिए तय तीन दिन का समय भी नहीं मिला, जिसे आयोग ने नियमों के खिलाफ माना।

निकाय चुनाव को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

अधिकारियों ने बताया कि मतदान सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए कुल 62,108 चुनाव अधिकारी और कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं। मतदान केंद्रों पर पुलिस की ओर से सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पूरी चुनाव प्रक्रिया के लिए पर्याप्त वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की पुख्ता व्यवस्था की गई है। इसमें कुल 17,367 कंट्रोल यूनिट और 34,734 बैलेट यूनिट शामिल हैं।

1.07 करोड़ से अधिक पात्र मतदाता 13,355 मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का करेंगे प्रयोग

कुल 62,108 चुनाव अधिकारी और कर्मचारी नियुक्त

फडणवीस ने आयोग के फैसले को बताया गलत

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 24 निकायों के चुनाव स्थगित करने के निर्णय को गलत और उम्मीदवारों के साथ अन्याय बताया। उन्होंने कहा कि नामांकन प्रक्रिया पूरी कर चुके उम्मीदवारों के लिए आखिरी वक्त पर चुनाव रोकना उचित नहीं है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग एक स्वतंत्र संस्था है और उसे निर्णय लेने का अधिकार है। बावजूद इसके, उन्होंने आयोग के फैसले का विरोध जारी रखा और कहा कि इससे चुनावी प्रक्रिया पर अनावश्यक असर पड़ा है। महायुति और एमवीए दोनों ने अपने शीर्ष नेताओं को मैदान में उतारकर आक्रामक प्रचार किया।

भाजपा ने 100 सदस्यों और तीन अध्यक्ष पद पर निर्विरोध जीत हासिल की

चुनावों में पहले ही महत्वपूर्ण राजनीतिक उठापटक देखने को मिल चुकी है, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, अजीत पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन का मुकाबला उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उबाठा), शरद पवार की एनसीपी (एसपी) और कांग्रेस के महा विकास आघाड़ी से है। अन्य दलों पर बढ़त हासिल करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 100 सदस्यों और तीन अध्यक्ष पद पर निर्विरोध जीत हासिल की है। भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख रविंद्र चव्हाण ने इस सफलता को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस के नेतृत्व पर जनता के विश्वास से जोड़ा।

शिवसेना का तूफानी प्रचार

नगर परिषद और नगर पालिका चुनाव में शिवसेना ने दमदार प्रदर्शन किया। राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने महाराष्ट्र भर में तूफानी प्रचार करते हुए शिवसेना उम्मीदवारों को मजबूत समर्थन दिया। कुछ ही दिनों में उन्होंने 53 जनसभाएँ और 2 भव्य रोड शो किए, जिनके माध्यम से उन्होंने जनता से सीधा संवाद साधा और कई समस्याओं का समाधान मंच से ही किया। शिवसेना सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने भी प्रचार अभियान में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 8 जिलों में 22 सभाएँ कीं, जिनमें कई प्रभावी रोड शो भी शामिल थे।

अभी 29 नगर निगम, 32 जिला परिषदों और 336 पंचायत समितियों के चुनाव का एलान होना बाकी

ये स्थानीय निकाय चुनाव सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के तहत 31 जनवरी से पहले कराए जा रहे हैं। अभी 29 नगर निगम, 32 जिला परिषदों और 336 पंचायत समितियों के चुनाव का एलान होना बाकी है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 2 दिसंबर की वोटिंग के नतीजे राज्य के राजनीतिक माहौल को काफी हद तक प्रभावित करेंगे। अगर महायुति की जीत विधानसभा जैसी दोहराई गई, तो भाजपा की अगुवाई वाली सरकार को मजबूत जनसमर्थन का संदेश जाएगा। वहीं यदि विपक्षी गठबंधन को बेहतर प्रदर्शन मिलता है, तो यह आने वाले बड़े चुनावों में उनकी ताकत बढ़ा सकता है।

पेज 3 भी देखें

ब्रीफ न्यूज़

लोकपाल को मिली शिकायतें 13 प्रतिशत बढ़ीं

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने सोमवार को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में लोकपाल (ओम्बुड्समैन) योजना के तहत उपभोक्ताओं की शिकायतें 13 प्रतिशत बढ़ गईं। रिपोर्ट के अनुसार निजी क्षेत्र के बैंकों और छोटे वित्त बैंकों के खिलाफ शिकायतों में खासा इजाफा देखा गया। वित्त वर्ष 2024-25 में रिजर्व बैंक एकीकृत लोकपाल योजना को 13,34,244 शिकायतें मिलीं, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में मिली 11,75,075 शिकायतों से अधिक है। हालांकि, उपभोक्ता शिकायतों की वृद्धि दर वित्त वर्ष 2023-24 के 33 प्रतिशत से घटकर आधी से भी कम रह गई। रिजर्व बैंक एकीकृत लोकपाल योजना की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, 24 लोकपाल कार्यालयों (ओआरबीआईओ) को 2,96,321 शिकायतें मिलीं। इसके अलावा केंद्रीकृत प्राप्ति एवं प्रसंस्करण केंद्र (सीआरपीसी) को 9,11,384 शिकायतें मिलीं।

दो हजार के 74 करोड़ और नोट वापस आए

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने सोमवार को कहा कि नवंबर के दौरान उसके कार्यालयों में 2,000 रुपये के 74 करोड़ रुपये के नोट और वापस आए। केंद्रीय बैंक ने बताया कि इसके साथ ही, 29 नवंबर तक 2,000 रुपये मूल्य के 5,743 करोड़ रुपये के नोट चलन में रह गए हैं। इस साल 31 अक्टूबर को 5,817 करोड़ रुपये चलन में थे। आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2,000 रुपये मूल्य के बैंक नोट को चलन से हटाने की घोषणा की थी। उन्नीस मई, 2023 की स्थिति के अनुसार, उस समय चलन में 2,000 रुपये के बैंक नोट का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपये था। दो हजार रुपये के बैंक नोट को जमा करने या बदलने की सुविधा सात अक्टूबर, 2023 तक देश की सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी। चलन से हटाये गये 2,000 रुपये के बैंक नोट को बदलने की सुविधा 19 मई, 2023 से रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध है।

देशभर के एयरपोर्ट्स पर हुए साइबर अटैक

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (IGI) के ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम (AMSS) में 7 नवंबर को छेड़छाड़ की गई थी। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने सोमवार को राज्यसभा में यह बात स्वीकारी। उन्होंने बताया कि इस वजह से प्लेन को गलत सिग्नल मिले थे। इसे GPS स्पूफिंग कहा जाता है। 7 नवंबर को दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन 12 घंटे से ज्यादा प्रभावित रहा था। 800 से ज्यादा डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स देरी से उड़ीं जबकि 20 को रद्द करना पड़ा था।

मुंबई की हवा सुधरी

धीरज सिंह | मुंबई

मुंबईः बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) ने सोमवार को दावा किया कि शहर और उसके उपनगरों में प्रदूषण कम करने के लिए उठाए गए कई कदमों के चलते 26 नवंबर के बाद से मुंबई की हवा की गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ है। बीएमसी ने यह भी साफ किया कि वायु प्रदूषण रोकने के लिए कड़े प्रतिबंधों वाला 'चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्ययोजना' (जीआरएपी) का चौथा चरण फिलहाल मुंबई में लागू नहीं है, लेकिन इस पर कड़ी निगरानी रखने

मुंबई में लागू नहीं होगा GRAP-4

53 निर्माण स्थलों पर रोक

AQI में सुधार नहीं, मझगांव व मालाड में सबसे खराब हवा

सोमवार को मुंबई का औसत AQI 103 दर्ज किया गया, जो 'मॉडरेट' श्रेणी में आता है। लेकिन मझगांव, मालाड और देवनार जैसे क्षेत्रों में पूरा नवंबर महीना हवा 'खराब' से 'बेहद खराब' स्तर पर रही। इसी कारण इन जोनों में बीएमसी ने धूल फैलाने वाली सभी निर्माण गतिविधियों पर रोक लगाने का आदेश जारी कर दिया है।

95 उड़न दस्तों की जांच, 53 निर्माण स्थलों पर रोक

बीएमसी के 95 उड़न दस्तों ने अब तक 70 से अधिक निर्माण साइटों का निरीक्षण किया है। इन निरीक्षणों में 28-बिंदु निर्माण दिशानिर्देशों के उल्लंघन पाए जाने पर 53 साइटों पर तत्काल निर्माण कार्य रोकने के निर्देश दिए गए हैं। बीएमसी की टीमें हालात सामान्य होने तक लगातार निगरानी जारी रखेंगी।

प्रभावित क्षेत्रों में सफाई व धूल-नियंत्रण बढ़ा

बोरिवली पूर्व, मालाड पश्चिम, चाकला, देवनार, मझगांव, नेवी नगर, मुलुंड पश्चिम और पवई जैसे प्रदूषण प्रभावित इलाकों में सड़क सफाई और वॉटर स्प्रिंकलिंग की व्यवस्था बढ़ा दी गई है। छोटे प्रदूषणकारी उद्योगों को नोटिस जारी किए गए हैं। बेकरी मालिकों को प्रदूषणकारी चिमनियां हटाने के निर्देश मिले हैं, जबकि चाकला क्षेत्र की मार्बल कटिंग यूनिट्स को साफ तकनीक अपनाने को कहा गया है। साथ ही, 450 जूनियर सुपरवाइजर्स को मौके पर ही जुर्माना लगाने की शक्ति प्रदान की गई है।

हाई कोर्ट की फटकार और नई समिति का गठन

इधर, बॉम्बे हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार के उस तर्क को खारिज कर दिया जिसमें इथियोपिया में ज्वालामुखी विस्फोट को प्रदूषण का कारण बताया गया था। कोर्ट ने साफ कहा कि "मुंबई की दृश्यता पहले भी 500 मीटर से कम हो जाती थी," इसलिए जिम्मेदारी स्थानीय कारकों की ही है। अदालत ने निर्माण स्थलों के निरीक्षण के लिए पांच सदस्यीय स्वतंत्र समिति बनाने का भी आदेश दिया है। उधर, प्रशासन को उम्मीद है कि सख्त कदमों से आने वाले दिनों में हवा की गुणवत्ता में सुधार देखने को मिलेगा।

कुर्ला-मुलुंड तहसील में बड़ा खुलासा

22 महीनों में एक हज़ार लोगों ने जन्म प्रमाणपत्र के लिए किया आवेदन

आधार कार्ड के अलावा कोई दस्तावेज़ नहीं, प्रशासन की बढ़ी चिंता

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

कुर्ला-मुलुंड तहसील कार्यालय ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। पिछले 22 महीनों में करीब 1,000 लोगों ने जन्म प्रमाणपत्र के लिए आवेदन किया, लेकिन इन सभी में से अधिकतर आवेदकों ने केवल आधार कार्ड ही दस्तावेज़ के रूप में जमा किया। पहचान और निवास साबित करने के लिए आवश्यक अन्य वैध दस्तावेज़ प्रस्तुत न किए जाने से प्रशासन ने इन आवेदनों को संदिग्ध माना है।

नियमों के विपरीत केवल आधार कार्ड पर आवेदन

तहसीलदार कार्यालय के अधिकारियों का कहना है कि जन्म प्रमाणपत्र जारी करने के लिए नियमों के अनुसार कई प्रकार के दस्तावेज़ अनिवार्य होते हैं, जिनमें निवास प्रमाण, अस्पताल रिकॉर्ड, माता-पिता के दस्तावेज़ आदि शामिल हैं। लेकिन आवेदक न तो कोई अतिरिक्त पहचान पत्र दे रहे हैं, और न ही अस्पताल या नगरपालिका से जुड़ा कोई रिकॉर्ड, जिससे इन आवेदनों की सत्यता पर सवाल उठ रहे हैं। पूर्व सांसद किरिट सोमैया ने दावा किया है कि जन्म प्रमाणपत्र के लिए किए गए ये सभी आवेदन अवैध बांग्लादेशी नागरिकों द्वारा किए गए हैं। सोमैया ने इस मामले में मुलुंड पुलिस स्टेशन और उपनगर के जिलाधिकारी के पास शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने प्रशासन से इन आवेदकों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

एक महीने के अंदर जाएगी PM मोदी की कुर्सी: पृथ्वीराज चव्हाण

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने एक सनसनीखेज दावा करते हुए कहा है कि अमेरिका में जारी एपस्टीन फाइल्स के खुलासों का असर भारत की राजनीति तक पहुंच सकता है। उनके अनुसार, इन खुलासों के चलते देश की सत्ता परिवर्तन की स्थिति बन सकती है और संभव है कि एक महीने के भीतर कोई मराठी नेता प्रधानमंत्री पद पर काबिज हो जाए।

10,000 पन्नों की गोपनीय फाइल पर दुनिया की नजर

पूर्व सीएम के अनुसार, एपस्टीन फाइल लगभग 10,000 पन्नों की है, जो अमेरिकी संसद के पास सुरक्षित है। इसे सार्वजनिक करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। चव्हाण ने कहा कि अगर फाइल बाहर आती है तो "बहुत कुछ सामने आएगा और कई बड़े चेहरे बेनकाब हो सकते हैं।"

संवाददाता सम्मेलन में चव्हाण का चौंकाने वाला बयान

कराड स्थित आवास पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में चव्हाण ने यह दावा किया। इस दौरान अजीतराव पाटिल-चिखलीकर, कराड तालुका कांग्रेस अध्यक्ष नामदेव पाटिल और शहर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट अमित जाधव सहित कई स्थानीय नेता मौजूद थे। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़े राजनीतिक प्रभाव डाल सकता है। पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि अमेरिका के उद्योगपति जेफ्री एपस्टीन द्वारा किए गए अवैध कार्यों में दुनिया भर की कई प्रभावशाली हस्तियों की संलिप्तता हो सकती है। उन्होंने कहा कि यह देखना बेहद महत्वपूर्ण है कि क्या भारत के किसी प्रमुख व्यक्ति का नाम भी इस फाइल में शामिल है, और यदि ऐसा होता है तो देश की राजनीति में बड़ा भूचाल आ सकता है।

सुब्रमण्यम स्वामी के वीडियो का भी किया जिक्र

पृथ्वीराज चव्हाण ने अपने बयान में बीजेपी के पूर्व मंत्री सुब्रमण्यम स्वामी के एक वीडियो का भी उल्लेख किया, जिसमें स्वामी ने कहा था कि यह गोपनीय दस्तावेज जल्द उनके पास होंगे। ऐसे में अब भारत में भी उत्सुकता बढ़ गई है कि इस फाइल में किन भारतीय हस्तियों के नाम हो सकते हैं।

मुंबई-नंदुरबार में ईडी की छापेमारी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट (FCRA) के उल्लंघन के गंभीर आरोपों को लेकर महाराष्ट्र में बड़ी कार्रवाई की है। सोमवार को ईडी ने जामिया इस्मालिया इस्हातुल उलूम (JIIU) ट्रस्ट और यमनी नागरिक अल-खदामी खालिद इब्राहिम सालेह से जुड़े परिसरों पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया। यह अभियान मुंबई और नंदुरबार जिले में स्थित कई ठिकानों पर एक साथ संचालित किया गया।

विदेशी चंदा मामले में ट्रस्ट-यमन के नागरिक के ठिकानों पर कार्रवाई

नंदुरबार और मुंबई में ED की एक्शन मोड में टीम

अधिकारियों के अनुसार, ईडी ने जिन परिसरों पर तलाशी ली, वे सभी JIIU ट्रस्ट और उससे जुड़े व्यक्तियों के स्वामित्व या उपयोग में बताए जा रहे थे। नंदुरबार जिले के कई गांवों और मुंबई के उपनगरीय इलाकों में छापेमारी से स्थानीय स्तर पर भी हलचल मच गई। ईडी की जांच इसी साल अप्रैल में दर्ज राज्य पुलिस के आरोपपत्र पर आधारित है। यह मामला FCRA नियमों के कथित उल्लंघन से जुड़ा है—जिसमें विदेशी चंदे के दुरुपयोग और गैर-पंजीकृत संस्थाओं को धन हस्तांतरित करने का संदेह व्यक्त किया गया था।

मोदी सरकार 1.0 में ईडी केस 791 तो दूसरे कार्यकाल में 5521 पर पहुंचे मामले

10 साल में केवल 120 लोग दोषी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय 'ईडी', जिसकी कार्रवाई को लेकर विपक्षी दल, केंद्र सरकार पर भेदभाव का आरोप लगाते रहते हैं। विपक्ष द्वारा जांच एजेंसी पर कई तरह के सवाल उठाए जाते हैं। सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र में पूछे गए एक सवाल ने विपक्ष को हैरान कर दिया है। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में यानी 2014 से लेकर 2019 तक ईडी द्वारा दर्ज किए गए केसों की संख्या 791 थी। दूसरे कार्यकाल 2020 से 2025 तक ईडी ने जो केस दर्ज किए, उनकी संख्या 5521 थी। खास बात है कि विगत 10 साल में केवल 120 लोग ही दोषी ठहराए जा सके हैं।

देशभर के डिजिटल अरेस्ट केस की जांच करेगी सीबीआई

राज्य सरकारें जांच एजेंसी की मदद करें : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टिगेशन (CBI) को देशभर से सामने आए डिजिटल अरेस्ट के मामलों की पैन इंडिया जांच की जिम्मेदारी सौंपी है। सोमवार को सुनवाई के दौरान SC ने सभी राज्यों को डिजिटल अरेस्ट मामलों की जांच में CBI की मदद करने के भी निर्देश दिए। CJI सूर्यकांत की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा- डिजिटल अरेस्ट तेजी से बढ़ता साइबर क्राइम है। इसमें ठग खुद को पुलिस, कोर्ट या सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर वीडियो/ऑडियो कॉल के जरिए पीड़ितों, खासकर सीनियर सिटिजन को धमकाते हैं और उनसे पैसे वसूलते हैं।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को नोटिस

CJI सूर्यकांत की बेंच ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को नोटिस जारी कर पूछा कि साइबर ठगी में उपयोग हो रहे बैंक खातों को तुरंत ट्रैक और फ्रीज करने के लिए AI और मशीन लर्निंग तकनीक का उपयोग क्यों नहीं किया जा रहा। इससे पहले 3 नवंबर की सुनवाई में SC ने कहा था कि डिजिटल अरेस्ट मामलों में लगभग 3 हजार करोड़ की ठगी का पता चला है।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले में खुद से एक्शन लिया

दरअसल, हरियाणा के अंबाला जिले में बुजुर्ग दंपति से 3 से 16 सितंबर के बीच 1.05 करोड़ रुपए की ठगी हुई थी। दंपती को सुप्रीम कोर्ट के जजों के फर्जी साइन और जांच एजेंसियों के नकली आदेश दिखाकर डिजिटल अरेस्ट किया गया था। पीड़ित ने 21 सितंबर को CJI बीआर गवई (पूर्व सीजेआई) को चिट्ठी लिखकर पूरी बात बताई थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले में खुद से एक्शन लिया था।

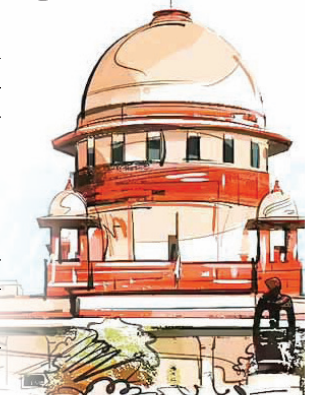

गद्दार बिगाड़ रहे हैं शहर की हालत: उद्धव ठाकरे

मुंबई। आगामी चुनावों को लेकर राजनीतिक माहौल गरमाता जा रहा है। तमाम मुद्दे उठाए जा रहे हैं, लेकिन इसी बीच शहर का बढ़ता प्रदूषण सबसे बड़ी चिंता बनकर सामने आया है। इसको लेकर शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने सरकार पर हमला बोला है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि मुंबई में आज जिस तरह का प्रदूषण देखा जा रहा है, ऐसा कभी पहले नहीं हुआ था और यह हालत पिछले दो-तीन वर्षों में ही बनी है। उन्होंने सवाल उठाया कि प्रदूषण की यह स्थिति आखिर क्यों पैदा हुई? ठाकरे ने आरोप लगाया कि जिन लोगों को मुंबईकरों ने चुनकर भेजा था, वे 'खोखे' लेकर भाग गए और अब वही गद्दार शहर की हालत बिगाड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बार जनता को ऐसे लोगों को उनकी असली जगह दिखानी होगी।

उद्धव ने दावा किया कि मुंबई का विकास शिवसेना के 25-30 वर्षों की मेहनत का परिणाम है और चुनाव प्रचार शुरू होने पर वे विकास कार्यों की पूरी सूची जनता के सामने रखेंगे। उन्होंने पूर्व विधायक मिहिर कोटेचा और मेट्रो-4 प्रोजेक्ट को लेकर गंभीर आरोप लगाए। ठाकरे ने कहा कि एलबीएस मार्ग पर सौ से ज्यादा जगहों पर प्रदूषण नियंत्रण के नियमों का उल्लंघन हुआ और यह काम महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) द्वारा किया जा रहा है, जो अब 'गद्दारों' के नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि इन लोगों का मुंबई से कोई लेना-देना नहीं है। ठाकरे ने कहा कि जिस तरह धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, उसी तरह ये लोग मुंबई के लिए हानिकारक हैं। इन्हें सिर्फ सत्ता की हवा चाहिए। इससे पहले शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना पर तीखा हमला किया और दावा किया कि पार्टी एक बेकाबू आग में फंसने वाली है। इस दौरान कम से कम 35 विधायक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में समा जाएंगे। इस दौरान महाराष्ट्र सरकार पर भी तीखा हमला बोला गया। शिवसेना के मुखपत्र सामना में लिखा गया कि महाराष्ट्र जहां अनेक समस्याओं से जूझ रहा है, वहीं मुख्यमंत्री और उनके दोनों उपमुख्यमंत्री नगर निगम चुनावों के प्रचार में व्यस्त हैं। भाजपा और शिंदे गुट आपस में तोड़फोड़ कर रहे हैं। मतदाताओं को भारी धन का लालच दिया जा रहा है और जो लोग पैसे लेते हैं, वे जाल में फंसकर जिंदाबाद के नारे लगाने को तैयार हो जाते हैं।

स्वच्छ शहर एक सपना है और सपनों का क्या?

दीपक तले अंधेरा कहावत को चरितार्थ करती एमबीएमसी

विनय दूबे । भाईंदर

भाईंदर (प.) स्थित एमबीएमसी मुख्यालय की हर मंजिल पर बने शौचालय के ठीक बगल में पेयजल व्यवस्था और उसके साथ ही रखे कूड़ेदान ने नागरिकों में नाराज़गी पैदा कर दी है। लोगों ने मांग की है कि पेयजल की व्यवस्था को तुरंत वहां से हटाया जाए।

अस्वच्छ व्यवस्था से बढ़ रहा बीमारी का जोखिम

शौचालय के पास पेयजल की व्यवस्था और उसके बगल में रखे कूड़ेदान न सिर्फ अस्वच्छता को बढ़ावा दे रहे हैं, बल्कि संक्रमण का खतरा भी बढ़ा रहे हैं। ज्ञात हो कि अधिकारियों द्वारा यह व्यवस्था जानते-बूझते की गई है, जबकि इससे नागरिकों को बीमारियों का खतरा बना रहता है।

शिकायतकर्ता की प्रतिक्रिया

शिकायतकर्ता सुनील पिल्लई के अनुसार, यह व्यवस्था स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए हानिकारक है। उन्होंने संबंधित विभाग से मांग की कि कूड़ेदानों को छोड़कर पेयजल की व्यवस्था तुरंत हटाई जाए, ताकि नागरिकों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सके।

निर्माण कार्य में देरी

तल मंजिल पर स्थित शौचालय का निर्माण कई महीनों से धीमी गति से चल रहा है। इसके पूरा होने का नागरिक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

डीबीडी दो बजे दोपहर ग्राउंड-रिपोर्ट

स्वच्छता अभियान पर उठ रहे सवाल

मीरा-भायंदर मनपा स्वच्छता को लेकर लगातार जागरूकता अभियान चलाती है, लेकिन मुख्यालय की व्यवस्था इन दावों के विपरीत नजर आती है। पांच मंजिला इमारत की चारों मंजिलों पर बने शौचालयों की गंदगी और उनके बगल में पेयजल व्यवस्था प्रशासन की लापरवाही उजागर कर रही है। ऐसी स्थिति नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकती है।

बेलापुर में अवैध निर्माण पर कार्रवाई तेज

नोटिस के बावजूद नहीं हटाया गया था अतिक्रमण

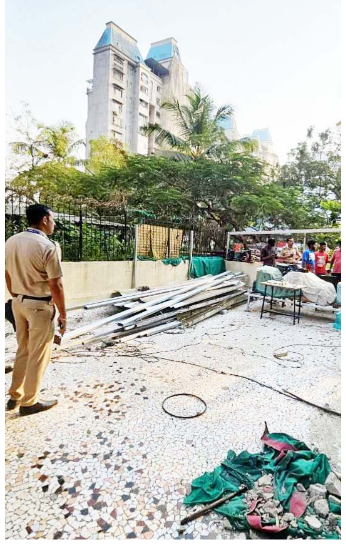

नवी मुंबई। नवी मुंबई महापालिका के ए-डिवीजन बेलापुर कार्यालय की ओर से जारी नोटिस का संबंधित व्यक्तियों ने पालन नहीं किया। इसके बाद माननीय अतिरिक्त जिला न्यायालय, बेलापुर के आदेशानुसार और आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के निर्देश पर अतिक्रमण विभाग ने बेलापुर क्षेत्र में निष्कासन की कार्रवाई की। यह कार्रवाई अतिरिक्त आयुक्त (2) डॉ. राहुल गेठे और उप आयुक्त (अतिक्रमण) डॉ. कैलास गायकवाड के मार्गदर्शन में की गई।

अनधिकृत पत्राशेड पर 1 दिसंबर को कार्रवाई

उमेश माळवे, फ्लैट नंबर H-101, प्लॉट नंबर 36, कुकरेजा इस्टेट, सेक्टर-11, बेलापुर के अनधिकृत निर्माण पर MRTP अधिनियम की धारा 53(1A) के तहत नोटिस जारी की गई थी। नोटिस मिलने के बावजूद अतिक्रमण स्वयं नहीं हटाया गया, जिसके चलते 1 दिसंबर 2025 को अनधिकृत पत्राशेड हटाकर निष्कासित किया गया। इस कार्रवाई के दौरान सहायक आयुक्त एवं विभाग अधिकारी प्रशांत नेरकर, सहायक अभियंता आत्माराम काळे सहित विभाग के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। अभियान में 7 मजदूर, 1 गैस कटर और अन्य मशीनरी का उपयोग किया गया। साथ ही अतिक्रमण विभाग के पुलिस अधिकारी, कर्मचारी और सुरक्षा रक्षक भी मौके पर मौजूद थे।

उम्मीदवार ने शिवाजी महाराज की प्रतिमा को पहनाया भाजपा का दुपट्टा, कांग्रेस ने की कार्रवाई की मांग

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भंडारा नगर परिषद चुनाव में एक विवाद ने राजनीतिक माहौल को अचानक गरमा दिया है। वार्ड क्रमांक 2 से भाजपा की उम्मीदवार चंद्रकला भोपे ने चुनाव प्रचार के दौरान छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर भाजपा का दुपट्टा और टोपी पहना दी। सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद इस कदम को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएँ शुरू हो गई हैं। चंद्रकला भोपे ने सिर्फ प्रतिमा पर पार्टी का स्कार्फ नहीं डाला, बल्कि इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किया, जो देखते ही देखते वायरल हो गया। चुनाव से एक दिन पहले यह घटना सामने आने से राजनीतिक वातावरण और अधिक गर्म हो गया है। कई स्थानीय नागरिकों ने भी इस कदम को मराठी अस्मिता का अपमान बताते हुए विरोध जताया।

भाजपा की चुप्पी, स्थानीय स्तर पर बढ़ी नाराज़गी

घटना के बाद भाजपा की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं हुआ है, लेकिन स्थानीय स्तर पर इससे नाराज़गी बढ़ती दिख रही है। कुछ सामाजिक संगठनों ने भी इस मामले को गंभीरता से लेने की बात कही है। अब सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि महाराष्ट्र चुनाव आयोग इस मुद्दे पर क्या कार्रवाई करता है।

कांग्रेस का आरोप—शिवाजी महाराज को राजनीतिक प्रतीक बनाने की कोशिश

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता अतुल लोंढे ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा कि "जनता के राजा छत्रपति शिवाजी महाराज सभी के हैं, उन्हें किसी एक पार्टी के प्रतीक में सीमित करना अस्वीकार्य है।" लोंढे ने वीडियो को चुनाव आयोग को टैग कर भाजपा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

कांग्रेस की ओर से यह दावा किया गया है कि चुनाव के दौरान किसी भी धार्मिक या ऐतिहासिक प्रतीक का राजनीतिक लाभ के लिए उपयोग करना आचार संहिता का उल्लंघन है। लोंढे ने स्पष्ट कहा कि इतनी बड़ी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक शख्सियत का राजनीतिक इस्तेमाल न केवल गलत है, बल्कि समाज में गलत संदेश भी देता है। उन्होंने निर्वाचन आयोग से तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है।

आनंदनगर में अवैध लॉजिंग

विधायक केलकर ने एक्शन लेने की बात कही

ठाणे। आनंदनगर इलाके में हाउसिंग कॉम्प्लेक्स से सटे प्लॉट पर अवैध परमिट रूम और लॉजिंग के निर्माण का मामला सामने आया है। स्थानीय नागरिकों ने विधायक संजय केलकर से शिकायत की, जिसके बाद केलकर ने ज़ोनल डिप्टी कमिश्नर को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि देरी हुई तो बीजेपी लोगों के साथ सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी।

नागरिकों ने जनसंवाद कार्यक्रम में उठाई समस्या

खोपट में आयोजित बीजेपी जनसेवक जनसंवाद कार्यक्रम में विजय वाटिका हाउसिंग कॉम्प्लेक्स के निवासियों ने अपनी शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि जहां पास में ब्रह्माकुमारी संस्था का रेजिडेंशियल कॉम्प्लेक्स और मंदिर है, वहीं बगल के प्लॉट पर अवैध रूप से परमिट रूम और लॉजिंग का निर्माण हो रहा है। इससे भविष्य में इलाके की सुरक्षा और शांति को खतरा पैदा होगा। नागरिकों ने तत्काल कार्रवाई कर निर्माण कार्य रोकने की मांग की।

बिना इजाज़त निर्माण पर रोक ज़रूरी: विधायक केलकर

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए विधायक संजय केलकर ने कहा कि जहां कोर्ट के आदेश के बाद कई इमारतों की सुविधाएं रोकी जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर बिना अनुमति निर्माण कार्य धड़ल्ले से चल रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि "लोग लाखों खर्च कर घर खरीदते हैं, क्या उन्हें सुरक्षित वातावरण की जगह अवैध परमिट वाले कमरे देखने चाहिए?" कार्यक्रम में भिवंडी पूर्णा से आए नागरिकों ने बिल्डर धोखाधड़ी की समस्या रखी। बिना अनुमति बनी इमारत पर कार्रवाई का नोटिस जारी होने से 104 परिवार प्रभावित होंगे। केलकर ने आश्वासन दिया कि न्याय मिलने तक बीजेपी इन परिवारों के साथ खड़ी रहेगी और उनकी लड़ाई में सहयोग करेगी।

अन्य नागरिक मुद्दों पर भी की गई सुनवाई

कार्यक्रम में बालकुंभ में जबरन घर तोड़ने की शिकायत, ब्रह्मला झील की समस्या, हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में बाड़ और डस्टबिन से जुड़े मुद्दे, महावितरण तथा शाखापा बिजली विभाग की समस्याएं भी सामने आईं। सभी मुद्दों पर प्रतिनिधित्व कर समाधान की दिशा में कदम उठाने का आश्वासन दिया गया।

न्याय के लिए पवार पैदल नापेंगे राजधानी

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

छोटी बच्चियों और महिलाओं की अस्मिता से खिलवाड़ करने वाले आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग को लेकर सोमनाथ पवार ने आंदोलन शुरू किया है। इसी मांग को लेकर उन्होंने काशीमीरा से दिल्ली संसद भवन तक पदयात्रा की शुरुआत की।

दिल दहला देने वाली घटना से मिला आंदोलन को स्वर

सोमनाथ पवार ने बताया कि मालेगांव में 4 साल की मासूम के साथ हुए क्रूरतापूर्ण अत्याचार और हत्या ने उन्हें अंदर तक झकझोर दिया। उन्होंने कहा कि जब देश में एक छोटी बच्ची भी सुरक्षित नहीं है, तो सख्त कानूनों की आवश्यकता और भी बढ़ जाती है। पवार ने मांग की कि छत्रपति शिवाजी महाराज के शासनकाल की तरह कठोर कानून बनाकर ऐसे समाजकंटकों को तुरंत फांसी देने का प्रावधान लागू किया जाए। वासना में अंधे ऐसे नराधमों की सभ्य समाज में कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अश्लील सामग्री के प्रतिबंध की मांग

शारीरिक शोषण करने वालों को तुरंत फांसी देने और अश्लील (पोर्न) वीडियो दिखाने वाले डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 100 प्रतिशत प्रतिबंध लगाने की मांग के साथ सोमनाथ पवार और 12 सहयोगियों ने 'न्याय यात्रा' शुरू की है। यात्रा के दौरान नागरिकों को जागरूक किया जाएगा। उत्तर भारत की कड़ाके की ठंड को देखते हुए दल ने जरूरी सामान साथ रखा है और भोजन भी स्वयं बनाने की तैयारी की है। 40 दिन की इस कठिन यात्रा के बाद संसद पहुँचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन सौंपा जाएगा, जिसमें 3 महीने के भीतर बलात्कारियों को मौत की सजा का कानून बनाने की मांग की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने की 37 सभाएं

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबईः स्थानीय निकाय के चुनाव प्रचार प्रचार का शोर शराबा सोमवार की शाम थम गया। महायुति सरकार के घटक दल बीजेपी, शिंदे सेना और अजित पवार ने चुनाव प्रचार में पूरी ताकत झोंक दी। दूसरी ओर, महाविकास आघाडी (एमवीए) के घटक दल उद्धव सेना ने तो प्रचार से दूरी बनाए रखी जबकि कांग्रेस ने प्रचार की खानापूर्ति की। हां, 84 साल के शरद पवार ने भी सभाएं की। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने व्यस्तता के बावजूद भी 37 चुनावी सभाओं को संबोधित किया। इसके अलावा उन्होंने ऑनलाइन प्रचार भी किया। कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ लगातार बैठक की। सीएम के साथ-साथ उनकी पार्टी बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने 31 चुनावी सभाओं को संबोधित किया।

रेलवे ने बदला सीवूड्स-दारावे स्टेशन का नाम, कोड भी हुआ चेंज

नवी मुंबई । रेल मंत्रालय ने नवी मुंबई में एक महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन के नामकरण में बदलाव किया है। नवी मुंबई को मुंबई महानगर से जोड़ने वाली हार्बर लाइन के सीवूड्स-दारावे स्टेशन का नाम अब आधिकारिक तौर पर बदल दिया गया है। रेल मंत्रालय ने महाराष्ट्र सरकार के आग्रह पर इस स्टेशन का नाम बदलकर सीवूड्स-दारावे-करावे कर दिया है।

सीवूड्स-दारावे स्टेशन का नाम बदलने का यह निर्णय महाराष्ट्र सरकार के अनुरोध पर लिया गया है। हार्बर रेल लाइन वह माध्यम है जो नवी मुंबई क्षेत्र को मुंबई महानगर से जोड़ती है।

जानें क्यों बदला गया नाम?

नाम परिवर्तन के संबंध में अधिक विवरण देते हुए अधिकारियों ने बताया कि यह नामकरण स्थानीय क्षेत्रों को ध्यान में रखकर किया गया है। नाम में शामिल 'सीवूड्स' पास की एक आवासीय सोसायटी का नाम है, जबकि 'दारावे' और 'करावे' आस-पास के दो गांवों के नाम हैं। इस तरह, स्टेशन के नाम में तीनों प्रमुख स्थानों को शामिल कर लिया गया है।

स्टेशन कोड भी बदला गया

नाम बदले जाने के बाद, अब स्टेशन के कोड (Station Code) में भी बदलाव आया है। मध्य रेलवे के एक प्रवक्ता ने इस बात की पुष्टि की। नाम बदले जाने से पहले, इस स्टेशन का कोड एसडब्ल्यूडीवी (SWDV) था। प्रवक्ता के अनुसार, अब यह कोड बदलकर एसडब्ल्यूडीके (SWDK) हो गया है।

दिल्ली दरबार के हाथ में बीएमसी चुनाव के गठबंधन की डोर!

कांग्रेस आलाकमान से होगी बात : संजय राउत

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

स्वास्थ्य समस्याओं के बाद एक महीने से अधिक के ब्रेक पर रहे शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) सांसद संजय राउत ने सोमवार को राजनीतिक हलचल बढ़ा दी। उन्होंने कहा कि वे बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव कांग्रेस के अकेले लड़ने के फैसले पर जल्द ही उसके आलाकमान से चर्चा करेंगे। राउत ने संकेत दिया कि विपक्षी महा विकास आघाडी (MVA) को मजबूत करने के लिए कांग्रेस का साथ जरूरी है।

संजय राउत ने दावा किया कि अगर मुंबई में BJP को सत्ता से दूर रखना है, तो एमवीए गठबंधन में राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) को शामिल करना बेहद जरूरी है। उनका कहना था कि सीटों के बंटवारे पर मनसे और शिवसेना (UBT) के बीच सकारात्मक बातचीत चल रही है। राउत ने यह भी कहा कि राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के बीच संवाद सामान्य और अच्छा है।

कांग्रेस के अकेले लड़ने पर राउत की प्रतिक्रिया

कांग्रेस की मुंबई इकाई ने मनसे के साथ गठबंधन से इनकार करते हुए ऐलान किया था कि वे नगर निकाय चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ेंगे। इस पर राउत ने कहा कि अगर बिहार चुनाव के बाद कांग्रेस का आत्मविश्वास बढ़ा है और वह अकेले लड़ना चाहती है, तो यह उनका निर्णय है। उन्होंने बताया कि वे दिसंबर के दूसरे सप्ताह में दिल्ली जाकर कांग्रेस हाईकमान से मुलाकात करेंगे।

एमवीए में मनसे को लाने की कोशिशें जारी

राउत ने कहा कि राज ठाकरे के एमवीए में शामिल होने से भाजपा को हराना आसान होगा। उन्होंने बताया कि एमवीए खेमे में मनसे को लाने के प्रयास सकारात्मक दिशा में बढ़ रहे हैं और सीट बंटवारे को लेकर भी बातचीत जारी है। शिवसेना (UBT) का स्पष्ट रुख है कि कांग्रेस को मुंबई में गठबंधन का हिस्सा होना चाहिए।

भाजपा पर गंभीर आरोप, चुनावी संस्कृति बिगाड़ने का दावा

स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर राउत ने BJP पर बड़ा प्रहार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले पांच सालों में महाराष्ट्र में भाजपा ने चुनावी संस्कृति को पूरी तरह भ्रष्ट कर दिया है और नगरपालिका व नगर पंचायत चुनावों में पहले कभी न देखी गई धनराशि का इस्तेमाल किया गया। फिलहाल महाराष्ट्र के विभिन्न निकायों में मंगलवार को चुनाव होने हैं, जबकि BMC चुनावों की तारीखें अब भी घोषित नहीं हुई हैं।

नगर परिषद और नगर पालिका चुनाव

शिवसेना का तूफानी प्रचार

- एकनाथ शिंदे ने 23 जिलों में 53 सभा और 2 रोड शो किया
- डॉ. श्रीकांत शिंदे का 8 जिलों में 22 सभा और रोड शो

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

नगर परिषद और नगर पालिका चुनाव में शिवसेना ने दमदार प्रदर्शन किया। राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने महाराष्ट्र भर में तूफानी प्रचार करते हुए शिवसेना उम्मीदवारों को मजबूत समर्थन दिया। कुछ ही दिनों में उन्होंने 53 जनसभाएँ और 2 भव्य रोड शो किए, जिनके माध्यम से उन्होंने जनता से सीधा संवाद साधा और कई समस्याओं का समाधान मंच से ही किया। उनकी हर सभा में बड़ी संख्या में लाड़ली बहनों, युवाओं और आम नागरिकों की उपस्थिति ने भारी जनसमर्थन को स्पष्ट किया।

डॉ. श्रीकांत शिंदे का व्यापक प्रचार, हर समुदाय का मिला साथ

शिवसेना सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने भी प्रचार अभियान में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 8 जिलों में 22 सभाएँ कीं, जिनमें कई प्रभावी रोड शो भी शामिल थे। उनकी सभाओं में विशेष रूप से यह देखने मिला कि हर जाति और समुदाय के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए और शिवसेना को खुलकर समर्थन दिया। इस व्यापक जनसंपर्क ने शिवसेना की चुनावी मजबूती को और अधिक बढ़ाया।

विपक्ष नदारद, महिलाओं का अभूतपूर्व समर्थन

चुनावी माहौल के बीच जहाँ एकनाथ शिंदे सक्रिय रूप से मैदान में थे, वहीं विपक्षी नेता प्रचार से गायब देखे गए। ठाकरे गुट के नेता बांद्रा और दादर से बाहर नहीं निकले, जिससे उनके कार्यकर्ता खुद को अकेला महसूस करते रहे। इसके विपरीत, राज्यभर में शिवसेना की सभाओं को जबरदस्त जनसमर्थन मिला। खास बात यह रही कि सभी सभाओं में लाड़ली बहनों की भारी मौजूदगी रही।

स्कॉलरशिप परीक्षा के आवेदन की बढ़ी तारीख

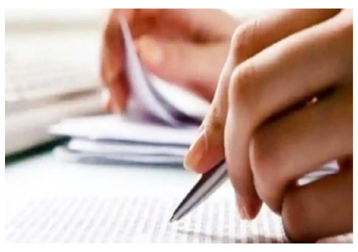

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र स्टेट एग्जामिनेशन काउंसिल ने स्कॉलरशिप परीक्षा के लिए ऑनलाइन एप्लीकेशन फॉर्म जमा करने की तारीख बढ़ा दी है। पहले फार्म भरने की अंतिम तारीख 30 नवंबर 2025 तक थी, जिसे 8 दिसंबर 2025 तक बढ़ा दिया गया है। यह परीक्षा 22 फरवरी 2026 को होने वाली है। काउंसिल ने सभी जिलों में एक ही दिन प्री-अपर प्राइमरी स्कॉलरशिप परीक्षा (क्लास 5) और प्री-सेकेंडरी स्कॉलरशिप परीक्षा (क्लास 8) आयोजित की है। काउंसिल कमिश्नर अनुराधा ओक के अनुसार जिन स्कूलों ने अभी तक अपने ऑनलाइन एप्लीकेशन जमा नहीं किए हैं, उन्हें 8 दिसंबर तक स्कूल की जानकारी का फॉर्म, एप्लीकेशन फॉर्म और रेगुलर फीस के साथ ऑनलाइन फीस जमा करनी होगी। यह जानकारी 15 दिसंबर तक और उसके बाद लेट फीस के साथ 31 दिसंबर 2025 तक जमा की जा सकती है। इसके बाद फार्म स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

पांच महिलाएं पुलिस की गिरफ्त में

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई पुलिस ने अंधेरी वेस्ट इलाके में संचालित हो रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए एक आरोपी महिला को गिरफ्तार किया और चार महिलाओं को रेस्क्यू किया। यह कार्रवाई वर्सोवा पुलिस स्टेशन की टीम ने मुखबिर की सूचना पर जेपी रोड स्थित एक होटल में की। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 143(3) और पीआईटीए एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ऑनलाइन माध्यम से संचालित हो रहा था रैकेट

पुलिस के अनुसार, अंबरनाथ निवासी अलमेलु पटेल उर्फ ज्योति मधु कांबले नामक महिला ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के जरिए सेक्स रैकेट चला रही थी। वह सोशल मीडिया और मैसेजिंग ऐप्स के माध्यम से ग्राहकों से संपर्क कर विभिन्न गेस्ट हाउस, लॉज और होटलों में महिलाओं को भेजती थी। जानकारी पुख्ता होने पर पुलिस ने एक विशेष टीम गठित की और कार्रवाई के लिए रणनीति तैयार की। पुलिस टीम ने नकली ग्राहक बनकर आरोपी से संपर्क साधा और उसे अंधेरी वेस्ट के एक होटल में बुलाया। योजना के तहत जैसे ही आरोपी ज्योति चार महिलाओं के साथ पहुंची और पैसों का लेन-देन शुरू हुआ, वहां पहले से मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसे रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। इसी दौरान चारों महिलाओं को सुरक्षित रेस्क्यू कर पुलिस स्टेशन लाया गया।

रेस्क्यू की गई महिलाएं मेडिकल जांच के लिए भेजी गईं

पुलिस के मुताबिक, रेस्क्यू की गई महिलाएं करीब 20 से 25 वर्ष की हैं, जिन्हें आगे की प्रक्रिया के लिए मेडिकल जांच हेतु भेजा गया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी ज्योति लंबे समय से इस अवैध धंधे में सक्रिय थी और इसके लिए सोशल मीडिया का सहारा लेती थी।

'चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली मे गड़बड़'

मतदान में 48 घंटे शेष रहते चुनावों को स्थगित करना अकल्पनीय: हर्षवर्धन सपकाल

देवेंद्रनाथ जैस्वार | मुंबई

महाराष्ट्र की 246 नगरपालिकाओं और 42 नगर पंचायतों के चुनाव से महज एक दिन पहले 20 नगरपालिकाओं और कुछ वार्डों के चुनाव स्थगित करने के निर्णय पर कांग्रेस ने कड़ा सवाल उठाया है। प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि यदि स्थगन कोर्ट के 22 नवंबर के आदेश के आधार पर था, तो फिर चुनाव आयोग 30 नवंबर तक पूरे आठ दिनों तक निष्क्रिय क्यों रहा? उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग अपने ही नियमों का पालन नहीं कर पा रहा और उसका अव्यवस्थित कार्यप्रणाली अब सबके सामने उजागर हो गई है।

'नेशनल हेराल्ड मामला राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई'

नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस नेताओं पर दर्ज मामलों को सपकाल ने पूरी तरह "राजनीतिक प्रतिशोध" बताया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी और अमित शाह सत्ता का दुरुपयोग कर विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि इस मामले में कई जांचों के बाद भी कोई ठोस सबूत नहीं मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि गांधी परिवार को बदनाम करने के उद्देश्य से सरकारी एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

'मतदान में 48 घंटे शेष रहते चुनावों को स्थगित करना अकल्पनीय'

सपकाल ने कहा कि लगभग दस साल बाद हो रहे स्थानीय निकाय चुनाव मूल रूप से कार्यकर्ताओं के चुनाव होते हैं, लेकिन शुरुआत से ही इसमें भारी गड़बड़ी की गई। नामांकन प्रक्रिया को जटिल बनाया गया, मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर त्रुटियाँ रहीं, एक ही मतदाता के दो-दो नाम सूची में दिखाई दिए। आरक्षण मुद्दे पर कोर्ट के निर्देशों ने कई नगर पंचायतों का भविष्य अधर में डाल दिया। अब 20 नगरपालिकाओं और कुछ प्रभागों के चुनाव स्थगित कर नया कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है, जिससे 3 दिसंबर के परिणामों का इन चुनावों पर असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है। सपकाल ने कहा कि आयोग निष्पक्ष चुनाव कराने में विफल साबित हो रहा है, और यही सबसे दुर्भाग्यपूर्ण है।

नगर निकाय चुनाव पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कराएं : भाजपा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने राज्य में सभी नगर निकाय चुनाव एक साथ कराए जाने की मांग की है। इसके लिए उन्होंने सोमवार को राज्य चुनाव आयोग को पत्र भेजकर अपना विरोध दर्ज कराया।

चुनाव नियमों और आयोग के निर्देशों में तालमेल की कमी

चव्हाण ने अपने पत्र में कहा कि नगरपालिका चुनाव नियम 1966, राज्य चुनाव आयोग के 4 नवंबर के परिपत्र और 29 नवंबर को जारी निर्देशों के बीच समन्वय का अभाव दिखता है। उन्होंने मांग की कि जिन स्थानों पर अपील का निर्णय 26 नवंबर के बाद आया है या जहां उम्मीदवार ने स्व-शपथ पत्र प्रस्तुत किया है, वहां चुनाव स्थगित नहीं किए जाने चाहिए और इन्हें पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कराया जाना चाहिए।

अचानक चुनाव स्थगित करना अनुचित: चव्हाण

पत्रकारों से बातचीत में चव्हाण ने कहा कि नगर पालिका अध्यक्ष, नगर परिषद और नगर पंचायतों के कुछ चुनावों को अचानक स्थगित करना उचित नहीं है। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रचार अंतिम चरण में पहुंच चुका था और 2 दिसंबर को मतदान होना तय था, लेकिन तकनीकी कारणों से कई चुनाव स्थगित कर दिए गए। इसके चलते 24 नगर परिषद अध्यक्षों और 204 नगर पार्षदों के चुनाव अब नहीं हो पाएंगे, जिससे उम्मीदवारों के साथ अन्याय हुआ है।

उच्च न्यायालय के आदेश के बाद स्थगन, भाजपा ने जताई आपत्ति

ज्ञात हो कि राज्य चुनाव आयोग ने उच्च न्यायालय के आदेश के बाद कई स्थानों पर चुनाव स्थगित किए हैं और अब इन्हें बाद में आयोजित किया जाएगा। भाजपा ने इस कार्रवाई पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि चुनाव पहले से तय कार्यक्रम के अनुसार ही कराए जाने चाहिए।

17 जिला परिषदों के चुनाव पर संकट

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में 24 नगर पंचायतों व नगर परिषदों के चुनाव स्थगित होने के बाद अब 17 जिला परिषदों के चुनाव पर भी संकट गहराने लगा है। सुप्रीम कोर्ट के 50% से अधिक आरक्षण सीमा के नियम पर अभी स्पष्ट आदेश न आने के चलते राज्य निर्वाचन आयोग ने संकेत दिया है कि फिलहाल केवल उन्हीं जिला परिषदों के चुनाव कराए जाएंगे, जहां आरक्षण 50 प्रतिशत के भीतर है। इसका मतलब है कि अभी सिर्फ 12 जिला परिषदों के चुनाव का रास्ता साफ है, जबकि ठाणे, पालघर, नाशिक, चंद्रपुर, गडचिरोली, यवतमाल, नांदेड, नंदुरबार, अमरावती, धुले, अकोला, जलगांव, वर्धा, वाशिम, अहिल्यानगर, नागपुर और हिंगोली—इन 17 जिला परिषदों के चुनाव सुप्रीम कोर्ट की 21 जनवरी की सुनवाई के बाद ही तय होंगे।

इधर, महानगरपालिका चुनावों को लेकर भी स्थिति साफ हो गई है। राज्य में कुल 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव होने हैं, जिनमें चंद्रपुर और नागपुर में आरक्षण सीमा अधिक होने के कारण संशय बना हुआ था। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद राज्य चुनाव आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि सभी 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव एक साथ कराए जाएंगे। इससे स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर बनी अनिश्चितता में आंशिक रूप से राहत मिली है।

विदेश जाने वाले की संख्या बढ़ी, एक वर्ष में 6684 मुंबईकरों को मिला इंटरनेशनल ड्राइविंग परमिट

मुंबई। विदेश यात्रा में लगातार हो रही बढ़ोतरी का सीधा असर अब आरटीओ में जारी होने वाले इंटरनेशनल ड्राइविंग लाइसेंस जिसे इंटरनेशनल ड्राइविंग परमिट भी कहते हैं, उसकी मांग पर भी दिखाई दे रहा है। 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 के बीच मुंबई सेंट्रल आरटीओ को कुल 6,784 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 6,684 परमिट जारी किए गए, जबकि लगभग 100 आवेदन विभिन्न कारणों से अस्वीकार कर दिए गए। अधिकारियों के अनुसार विदेशों में पर्यटन, नौकरी और व्यावसायिक यात्राओं में हो रही वृद्धि ने आईडीपी की मांग को पहले की तुलना में कहीं अधिक बढ़ा दी है। बता दें कि अंतरराष्ट्रीय ड्राइविंग परमिट किसी भी देश में वाहन चलाने के लिए आवश्यक दस्तावेज है, जो मौजूदा भारतीय लाइसेंस को वैध अंतरराष्ट्रीय स्वरूप में बदल देता है।

मुंबई सेंट्रल आरटीओ के अनुसार दक्षिण मुंबई से आने वाले आवेदकों की संख्या सबसे अधिक है। इस क्षेत्र में कई बड़े उद्योगपति, फिल्म उद्योग से जुड़े लोग और विदेश यात्रा करने वाला उच्च आय वर्ग निवास करता है। विदेशों में बार-बार यात्रा करने वाले इन लोगों के बीच आईडीपी की मांग सबसे ज्यादा बनी हुई है। परमिट जारी होने के आधार पर कुछ स्थान सबसे अधिक लोकप्रिय है।

दो स्कूलों को बम से उड़ाने की झूठी धमकी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई /मीरा रोड

मुंबई के मीरा रोड और सांताक्रुज स्थित दो अलग-अलग स्कूलों को सोमवार सुबह बम से उड़ाने की मिली फर्जी धमकी से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने दोनों स्कूलों में तलाशी अभियान चलाया, लेकिन कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। फिलहाल पुलिस दोनों मामलों में धमकी देने वाले अज्ञात व्यक्ति की तलाश कर रही है।

मीरा रोड के सिंगापुर इंटरनेशनल स्कूल में अलर्ट, बड़े पैमाने पर तलाशी

सुबह मीरा रोड स्थित सिंगापुर इंटरनेशनल स्कूल को बम की धमकी भरा ईमेल मिला। स्कूल प्रशासन ने तुरंत पुलिस को अलर्ट किया, जिसके बाद काशीमीरा पुलिस और बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वाड मौके पर पहुंचे। एहतियातन स्कूल को खाली कराकर पूरे कैंपस में विस्तृत सर्च ऑपरेशन चलाया गया। कई घंटे चली तलाशी में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला, जिसके बाद प्रशासन और पुलिस ने राहत की सांस ली।

सांताक्रुज के बिगबोंग हाईस्कूल को भी मिली धमकी, साइबर पुलिस कर रही जांच

इसी तरह सांताक्रुज स्थित बिगबोंग हाईस्कूल के ईमेल पर भी बम रखने की सूचना मिली। स्कूल प्रशासन ने तत्काल पुलिस को जानकारी दी, जिसके बाद सांताक्रुज पुलिस और बम निरोधक दल ने स्कूल परिसर में तलाशी ली। यहां भी कुछ संदिग्ध नहीं पाया गया। दोनों घटनाओं में फर्जी धमकी देने वाले अज्ञात आरोपी के खिलाफ साइबर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बंदूक दिखाकर महिला को किया निर्वस्त्र

छह आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में मुंबई के महालक्ष्मी इलाके में 2023 में एक दवा कंपनी के कार्यालय में 51 वर्षीय महिला के साथ गंभीर दुर्व्यवहार किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि छह लोगों ने महिला को रिवॉल्वर दिखाकर धमकाया और उसे निर्वस्त्र होने के लिए मजबूर किया। इस घटनाक्रम के बाद मामला अब कानूनी कार्रवाई की ओर बढ़ गया है।

मुंबई पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, बंबई उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद 22 नवंबर को एनएम जोशी मार्ग थाने में इस मामले की एफआईआर दर्ज की गई। इससे पहले पीड़िता ने पाइधोनी थाने में शिकायत की थी, जिसे बाद में जांच के लिए एनएम जोशी मार्ग थाने को स्थानांतरित कर दिया गया।

पहले आरोपियों ने ईओडब्ल्यू में महिला के खिलाफ की थी शिकायत

पुलिस अधिकारी ने यह भी बताया कि इस घटना से पहले आरोपियों की ओर से आर्थिक अपराध शाखा (EOW) में पीड़िता के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी। अब पुलिस उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार पूरे मामले की विस्तृत जांच कर रही है। मामले में शामिल आरोपियों पर जल्द ही आगे की कार्रवाई की उम्मीद जताई जा रही है।

यौन उत्पीड़न और धमकी के गंभीर आरोप

प्राथमिकी में आरोपियों पर यौन उत्पीड़न सहित कई गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। महिला ने आरोप लगाया कि उसे न केवल निर्वस्त्र करने को मजबूर किया गया, बल्कि उसकी अर्धनग्न तस्वीरें और वीडियो भी बनाए गए। इन आपत्तिजनक सामग्री को सोशल मीडिया पर प्रसारित करने की धमकी भी दी गई।

अधिकारियों के अनुसार, महिला गिफ्टिंग और फोटो फ्रेम के व्यवसाय से जुड़ी है। आरोप है कि इस केस से जुड़े एक व्यक्ति के खिलाफ पुलिस में झूठा बयान दर्ज कराने के लिए उस पर दबाव डाला गया। जब उसने इसका विरोध किया, तो उसे धमकाया गया और गलत तरीके से फंसाने की कोशिश की गई।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

विभाग : हाइड्रोलिक इंजीनियर विभाग

नंबर ..(M.)/ 5392/ M.W. तारीख 28 /11/2025

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त पात्र बोलीदाताओं से नीचे दिए गए काम के लिए ऑनलाइन निविदा मंगा रहे हैं। बोली शुरू होने की तारीख और समय और बोली खत्म होने की तारीख और समय B.M.C की वेबसाइट पर निविदा अनुभाग और महाटेंडर पोर्टल के तहत विस्तृत निविदा सूचना में बताया गया है।

क्र. सं.	बोली संख्या	काम का नाम
1	2025_MCGM_1248124_1 शुरू होने की तारीख: 02.12.2025	AEWW(मेंटेनेंस)W.S./उत्तरी प्रभाग के तहत मलाड हिल रिज़र्वॉयर में डेली ऑपरेशन वाल्व के लिए इलेक्ट्रिकल एक्चुएटर्स की सप्लाई, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग

निविदा देने वाले निविदा की ज़्यादा जानकारी के लिए BMC की वेबसाइट http://portal.mcgm.gov.in और महाटेंडर पोर्टल की वेबसाइट http://mahatenders.gov.in पर जा सकते हैं।

हस्ता/-
EE (M.) M.W.

पीआरओ/ 2470 /विज्ञा./2025-26

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

संपादकीय

अवसाद से मुक्ति

अक्सर देखा जाता है कि परीक्षाओं के दौरान छात्र तनाव और दबाव में आकर अपना सर्वश्रेष्ठ नहीं दे पाते। पढ़ाई पूरी होने के बावजूद वे परीक्षा कक्ष में पहुँचते ही उलझन में पड़ जाते हैं, घबराहट होने लगती है, हाथ काँपने लगते हैं और दिमाग़ मानो खाली हो जाता है। यह स्थिति केवल पढ़ाई की कमी नहीं, बल्कि अत्यधिक प्रतिस्पर्धी शैक्षिक वातावरण का परिणाम है। आज शिक्षा केवल सीखने का माध्यम भर नहीं रह गई, बल्कि एक कठोर प्रतिस्पर्धा का मैदान बन गई है, जहाँ हर दिन छात्रों से अपेक्षाओं और तुलना का भार बढ़ता जा रहा है। बच्चों को छोटी उम्र से ही 'सबसे आगे' रहने की दौड़ में धकेल दिया जाता है, और यह दौड़ धीरे–धीरे उनके मन और व्यवहार पर गहरी चोट करने लगती है। देश की बड़ी आबादी और सीमित रोजगार अवसरों के बीच जो खाई है, वह इस तनाव को और गहरा कर देती है। अच्छे कॉलेज में प्रवेश से लेकर सरकारी या निजी नौकरी पाने तक हर स्तर पर प्रतियोगियों की संख्या उपलब्ध सीटों और अवसरों से कई गुना अधिक होती है। यही वजह है कि असफलता का डर बच्चों में बहुत जल्दी घर कर लेता है। परीक्षा परिणाम आने के दिनों में आत्महत्या जैसी दुखद घटनाओं का बढ़ना इस समस्या की गंभीरता को दर्शाता है। यह एक ऐसे मनोवैज्ञानिक दबाव का परिणाम है जिसे लंबे समय से नजरअंदाज किया जाता रहा है। ऐसे वातावरण में आईआईटी मद्रास का यह शोध एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है। शोधकर्ताओं ने पहली बार ऐसे जैविक संकेतकों की पहचान की है जो यह बता सकते हैं कि किस छात्र में परीक्षा के दौरान तनाव बढ़ने की संभावना अधिक है। यह खोज शिक्षा प्रणाली में तनाव प्रबंधन को वैज्ञानिक आधार प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। 'बिहेवियरल ब्रेन रिसर्च' में प्रकाशित इस अध्ययन ने स्पष्ट किया है कि भावनाओं को नियंत्रित करने वाले मस्तिष्क संकेत और हृदय की प्रतिक्रिया प्रणाली, दोनों मिलकर किसी व्यक्ति के तनाव स्तर को प्रभावित करते हैं। शोध में दो प्रमुख संकेतकों पर ध्यान दिया गया—फ्रंटल अल्फा एसिमिट्री (FAA) और हार्ट रेट वैरिएबिलिटी (HRV)। FAA मस्तिष्क के भावनात्मक नियमन की क्षमता को दर्शाता है, जबकि HRV यह दिखाता है कि हृदय तनाव की स्थिति में कितना संतुलित रहता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन छात्रों में FAA का पैटर्न नकारात्मक होता है, उनमें तनाव के समय हृदय की प्रतिक्रिया क्षमता कमज़ोर पड़ जाती है। इसका अर्थ यह है कि परीक्षा को लेकर बढ़ा हुआ भय उनके हृदय और मस्तिष्क दोनों पर दबाव डालता है, जिससे वे मानसिक रूप से अस्थिर हो जाते हैं। यही कारण है कि कुछ लोग पढ़े–लिखे होने के बावजूद परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते। दिलचस्प बात यह है कि शोध में इस प्रश्न का भी उत्तर तलाशने का प्रयास हुआ कि कुछ छात्र तनाव की स्थिति में भी बेहतर प्रदर्शन कैसे कर लेते हैं। इसका कारण है उनकी वर्षभर की नियमित पढ़ाई, बेहतर समय प्रबंधन और भावनात्मक नियंत्रण क्षमता। दूसरी ओर, जो छात्र पूरे वर्ष पढ़ाई में ढिलाई बरतते हैं, वे परीक्षा नजदीक आने पर अचानक तैयारी करने के दबाव में तनावग्रस्त हो जाते हैं। एनसीईआरटी की एक रिपोर्ट के अनुसार देश के 81% छात्र परीक्षा का नाम सुनते ही तनाव महसूस करते हैं—यह आंकड़ा बताता है कि समस्या कितनी व्यापक है। आईआईटी मद्रास का यह शोध शिक्षा जगत के लिए उम्मीद की किरण है। इससे छात्रों के लिए व्यक्तिगत तनाव प्रबंधन योजनाएँ तैयार की जा सकेंगी। एआई आधारित सिस्टम की मदद से शिक्षकों और अभिभावकों को पहले से ही यह जानकारी मिल सकेगी कि किस छात्र को अधिक मानसिक सहायता की आवश्यकता है। यह शोध न केवल छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर समझने में मदद करेगा, बल्कि लंबे समय में परीक्षा प्रणाली को भी अधिक संवेदनशील, वैज्ञानिक और मानवीय बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

शख्सियत — ओम प्रकाश रावत

निष्पक्षता और ईमानदारी का प्रतीक

ओम प्रकाश रावत भारत के प्रमुख चुनाव आयुक्तों में से एक रहे हैं, जिन्होंने भारतीय लोकतंत्र को सुदृढ़ और पारदर्शी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका जन्म 2 दिसंबर 1953 को मध्य प्रदेश के सिधी जिले में हुआ। पढ़ाई में शुरू से ही कुशाग्र रहे रावत ने फिजिक्स में एम.एससी. की डिग्री प्राप्त की और बाद में 1977 में भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) में चयनित हुए।

ओम प्रकाश रावत भारतीय प्रशासनिक सेवा के उन चुनिंदा अधिकारियों में से हैं, जिन्होंने अपने हर पद पर रहते हुए ईमानदारी, पारदर्शिता और जनता की भलाई को सर्वोच्च माना। मध्य प्रदेश कैडर के अधिकारी होने के नाते उन्होंने राज्य प्रशासन में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ निभाईं और हर भूमिका में जनता-केंद्रित निर्णयों को प्राथमिकता दी। उनकी कार्यशैली का मुख्य आधार था—किसी भी प्रकार के दबाव से मुक्त रहते हुए निष्पक्ष और नीतिगत रूप से मजबूत फैसले लेना। इसी कारण वे प्रशासनिक जगत में एक विश्वसनीय और सम्मानित नाम बने।

14 अगस्त 2015 को उन्हें भारत के चुनाव आयोग में निर्वाचन आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया। इस पद पर रहते हुए उन्होंने चुनाव प्रक्रिया को स्वच्छ, सुरक्षित और आधुनिक बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण पहल कीं। आगे चलकर 23 जनवरी 2018 को उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) का पदभार संभाला। अपने तुलनात्मक रूप से छोटे लेकिन प्रभावशाली कार्यकाल में उन्होंने अनेक राज्यों के विधानसभा चुनाव और उपचुनाव सफलतापूर्वक संपन्न कराए। उनकी प्राथमिकता थी—चुनावों को पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और जनता के भरोसे के अनुरूप बनाना। उन्होंने चुनावों में धनबल और बाहुबल के प्रभाव को कम करने के लिए कड़ी निगरानी तथा सख्त कार्रवाई की व्यवस्था को बढ़ाया। डिजिटल युग की चुनौतियों को देखते हुए उन्होंने मतदान प्रक्रिया, ईवीएम और वीवीपैट सिस्टम को और सुरक्षित व भरोसेमंद बनाने के लिए विशेष जोर दिया। साइबर सुरक्षा और डेटा सुरक्षा को लेकर भी वे बेहद सजग रहे और चुनाव आयोग की तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में उल्लेखनीय योगदान दिया।

अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने राजनीतिक दलों, प्रशासनिक अधिकारियों और जनता के बीच संवाद को बढ़ावा दिया ताकि चुनाव प्रक्रिया के हर चरण में स्पष्टता बनी रहे। इससे चुनाव आयोग की विश्वसनीयता और मजबूत हुई तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का विश्वास और गहरा हुआ।

ओम प्रकाश रावत को उनके उत्कृष्ट योगदान, सादगीपूर्ण जीवन, निष्ठा और कर्तव्यपरायणता के लिए अनेक पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए। 2 दिसंबर 2018 को उन्होंने अपने पद से सेवानिवृत्ति ली, लेकिन लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने में उनका योगदान आज भी प्रेरणा देता है।

डिजिटल व्यापार समझौते और भारत की स्वदेशी क्षमताएँ

डॉ० सत्यवान सौरभ
कवि,स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार

डिजिटल युग में वैश्विक शक्ति-संतुलन तेल से डेटा की ओर, भू-राजनीति से तकनीक-राजनीति की ओर और पारंपरिक व्यापार से डिजिटल व्यापार की ओर निर्णायक रूप से स्थानांतरित हो चुका है। ऐसे समय में भारत एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ उसे दो समानांतर दवाबों और अवसरों का सामना करना पड़ रहा है—एक ओर वैश्विक डिजिटल व्यापार समझौतों में सम्मिलित होकर तीव्र होती वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्वयं को एक विश्वसनीय तकनीकी साझेदार के रूप में प्रस्तुत करने की आवश्यकता है, वहीं दूसरी ओर स्वदेशी डिजिटल क्षमताओं, डेटा संसाधनों, तकनीकी नीति-निर्माण और डिजिटल संप्रभुता की रक्षा करने की अनिवार्यता भी है। समस्या का केंद्रबिंदु यह है कि कई डिजिटल व्यापार समझौते ऐसे प्रावधानों से भरे हुए हैं जो सतही तौर पर मुक्त, सहज और त्वरित डिजिटल प्रवाह की वकालत करते हैं, किंतु वस्तुतः वे विकासशील देशों की नीति स्वायत्तता, घरेलू तकनीकी उद्योग, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और दीर्घकालिक रणनीतिक क्षमताओं को कमजोर करते हैं। भारत की स्थिति विशेष रूप से इसलिए संवेदनशील है क्योंकि भारत एक विशाल डिजिटल बाजार, अत्यधिक उपभोग आधारित डेटा-संपदा, और वैश्विक मूल्य-श्रृंखला का उभरता हुआ तकनीकी केंद्र है। अतः डिजिटल व्यापार समझौते भारत की डिजिटल प्रगति के लिए अवसर भी हैं और जोखिम भी। यह समझना आवश्यक है कि कैसे ये समझौते भारत की स्वदेशी क्षमताओं को प्रभावित करते हैं और दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए क्या संरचनात्मक सुधार अपेक्षित हैं।

डिजिटल व्यापार समझौतों का सबसे बड़ा प्रभाव भारत की नियामक स्वायत्तता पर पड़ता है। विकसित देशों द्वारा संचालित ऐसे समझौते अक्सर डेटा के मुक्त प्रवाह, डेटा स्थानीयकरण पर प्रतिबंध, डिजिटल सेवाओं पर गैर-भेदभाव, सोर्स कोड की सुरक्षा और स्वामित्व एल्गोरिदम के खुलासे पर रोक जैसी धाराओं को सम्मिलित करते हैं। ये प्रावधान भारत जैसे देश के लिए समस्यात्मक इसलिए हैं क्योंकि भारत अभी भी अपने डेटा शासन मॉडल, डिजिटल सुरक्षा ढाँचे और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की रणनीति को धीरे-धीरे विकसित कर रहा है। भारत को यह अधिकार होना चाहिए कि वह डेटा कहाँ संग्रहीत हो, कौन इसका उपयोग करे, और इसका वाणिज्यिक व सामरिक महत्व किस प्रकार परिभाषित हो। यदि ये अधिकार किसी बहुपक्षीय समझौते में सीमित हो जाते हैं, तो भारत की नीति-निर्माण क्षमता बाधित हो जाती है।

डेटा स्थानीयकरण भारत के लिए केवल एक तकनीकी या वाणिज्यिक मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, साइबर संप्रभुता, डिजिटल न्याय और आर्थिक अवसरों से जुड़ा हुआ प्रश्न है। जब डिजिटल व्यापार समझौतों में यह शर्त होती है कि कोई देश डेटा स्थानीयकरण लागू नहीं कर सकता, या केवल सीमित परिस्थितियों में कर सकता है, तो इसका परिणाम यह होता है कि भारत अपने डेटा को विदेशी क्लाउड, विदेशी कंपनियों और विदेशी सर्वर संरचनाओं पर निर्भरता के साथ संचालित करने को बाध्य हो जाता है। इसके परिणामस्वरूप एआई मॉडल, बिग डेटा एनालिटिक्स, नागरिक डिजिटल सेवाएँ और वित्तीय सुरक्षा प्रणाली विदेशी नियंत्रण-क्षेत्र में चली जाती हैं, जो दीर्घकाल में भारत की तकनीकी स्वतंत्रता को कमजोर करता है।

स्वदेशी डिजिटल क्षमताओं पर दूसरा बड़ा प्रभाव डिजिटल औद्योगिक नीतियों पर लगने वाली सीमाओं के रूप में सामने आता है। डिजिटल व्यापार समझौते प्रायः यह सुनिश्चित करते हैं कि कोई भी देश विदेशी डिजिटल सेवा प्रदाताओं या डिजिटल व्यापार कंपनियों के विरुद्ध भेदभावपूर्ण नीति नहीं अपनाएगा। लेकिन भारत के संदर्भ में यह "भेदभाव" अक्सर नीतिगत प्रतिबंध बन जाता है। उदाहरण के लिए, यदि भारत घरेलू क्लाउड सेवा प्रदाताओं को बढ़ावा देना चाहता है, या घरेलू एआई अवसंरचना का विकास करना चाहता है, तो यह सुनिश्चित करना कठिन हो जाएगा यदि समझौतों में विदेशी कंपनियों के लिए अनिवार्य "नॉन-डिस्क्रिमिनेशन" या "नेशनल ट्रीटमेंट" जैसी शर्तें शामिल हों।

सोर्स कोड और एल्गोरिदमिक पारदर्शिता भी एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ डिजिटल व्यापार समझौते भारत की क्षमता-निर्माण को बाधित कर सकते हैं। कई समझौतों में यह शर्त होती है कि कोई भी सदस्य-देश विदेशी कंपनियों से सोर्स कोड या एल्गोरिद्मिक जानकारी की मांग नहीं करेगा। सतही तौर पर यह बौद्धिक संपदा की सुरक्षा जैसा प्रतीत होता है, परंतु वास्तविकता यह है कि इससे घरेलू प्रतिस्पर्धा, स्वदेशी तकनीकी नवाचार और नियामकीय पारदर्शिता प्रभावित होती है। भारत यदि एआई मॉडल, डिजिटल प्लेटफॉर्म, वित्तीय तकनीक या साइबर सुरक्षा ढाँचों को नियंत्रित करना चाहता है, तो उसे यह समझने की आवश्यकता है कि इन तकनीकों का मूल संरचनात्मक व्यवहार क्या है। लेकिन यदि समझौते इसे कानूनी रूप से असंभव बना दें, तो भारत एक सतही उपभोक्ता मात्र बनकर रह जाता है, निर्माता नहीं।

डिजिटल व्यापार समझौतों का एक और गंभीर प्रभाव वैश्विक तकनीकी कंपनियों से कराधान के अधिकार पर पड़ता है। कई समझौते डिजिटल सेवा कर, समानता कर या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर लगाए जाने वाले अतिरिक्त भार को प्रतिबंधित कर देते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि बहुराष्ट्रीय तकनीकी कंपनियाँ भारतीय बाजार से विशाल राजस्व अर्जित करती हैं, परंतु भारत को उनसे अपेक्षित कर नहीं मिल पाता। इससे न केवल भारत की वित्तीय क्षमता प्रभावित होती है, बल्कि घरेलू कंपनियों को भी असमान प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है।

इसके अतिरिक्त, डिजिटल व्यापार समझौते भारत को भविष्य में अपनी डिजिटल रणनीति को लचीले रूप से बदलने से भी रोक सकते हैं।

जीवन मंत्र

डर और अहंकार से अपनों को मत खोएँ

> समय बीतने के बाद हमें एहसास होता है कि हमने क्या खो दिया। लेकिन तब तक अक्सर बहुत देर हो चुकी होती है। रिश्तों की खूबसूरती यह है कि वे देखभाल, नम्रता और भरोसे से बनते हैं, और इन सबकी राह में सबसे बड़ा रोड़ा अहंकार ही होता है।

कभी–कभी रिश्तों में आने वाली दूरी का कारण कोई बड़ी गलती नहीं होती, बल्कि हमारे भीतर छिपा हुआ डर और अनजाना अहंकार होता है। डर हमें असुरक्षित महसूस कराता है—कि कहीं सामने वाला हमें छोड़ न दे, धोखा न दे या हमारी कमज़ोरियाँ न देख ले। यही डर धीरे–धीरे हमसे गलत प्रतिक्रिया दिलाता है और हम उन लोगों से भी दूर होने लगते हैं जो वास्तव में हमारे लिए सबसे अधिक मायने रखते हैं। अहंकार भी उतना ही खतरनाक है। यह हमें यह स्वीकार करने नहीं देता कि हमें किसी की ज़रूरत है या हम किसी से भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं। अहंकार के कारण हम माफ़ी मागंने में, अपनी गलती स्वीकार करने में या सामने वाले की बात समझने में कमजोर पड़ जाते हैं। यह भीतर एक कठोर दीवार बना देता है, जिसके कारण रिश्तों में संवाद कम होता जाता है और गलतफहमियाँ बढ़ती जाती हैं।

जब डर और अहंकार एक साथ मिलते हैं, तो वे इंसान का निर्णय ढक लेते हैं। कई बार ऐसा व्यक्ति दूर चले जाने देता है जिसे वह वास्तव में अपने जीवन में बनाए रखना चाहता है। मूल्यवान लोग जीवन में बार–बार नहीं आते—वे भावनात्मक सहारा, समझ, विश्वास और अपनापन लेकर आते हैं। लेकिन डर और अहंकार के कारण हम उनके साथ गलत व्यवहार कर बैठते हैं, और वे चुपचाप आहत होकर दूर हो जाते हैं। समय बीतने के बाद हमें एहसास होता है कि हमने क्या खो दिया। लेकिन तब तक अक्सर बहुत देर हो चुकी होती है। रिश्तों की खूबसूरती यह है कि वे देखभाल, नम्रता और भरोसे से बनते हैं, और इन सबकी राह में सबसे बड़ा रोड़ा अहंकार ही होता है। डर को समझने और संभालने की जरूरत होती है, जबकि अहंकार को छोड़ने की हिम्मत चाहिए।

इसलिए, जब भी आपको लगे कि कोई व्यक्ति आपके जीवन में सच में मूल्यवान है, तो डर और अहंकार को बीच में आने न दें। स्पष्ट बातचीत करें, अपने मन की सच्ची बात कहें और सामने वाले के भाव भी समझें। रिश्तों में थोड़ी सी विनम्रता, थोड़ा सा साहस और थोड़ा सा धैर्य बहुत कुछ बचा सकता है।

अंत में, जीवन में वही लोग रहते हैं जिन्हें हम दिल से संभालने की कोशिश करते हैं। इसलिए डर और बेवकूफी भरे अहंकार को एक तरफ रखें और उन लोगों को थाम कर रखें जो सच में आपके लिए मायने रखते हैं।

जीवन ऊर्जा

रिचर्ड मोंटगोमरी : जन्म 2 दिसंबर 1738 — जन्म

सच्चा योद्धा असफलता से नहीं डरता

> रिचर्ड मोंटगोमरी एक आयरिश-अमेरिकी सैनिक थे, जिनका जन्म 2 दिसंबर 1738 को हुआ था। वह अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अपने साहसिक नेतृत्व के लिए प्रसिद्ध हुए। 31 दिसंबर 1775 को क्यूबेक की लड़ाई में उनकी मृत्यु हुई। उनका जीवन स्वतंत्रता और कर्तव्य के प्रति समर्पण की मिसाल है।

साहस वह आधार है, जिस पर सभी महान कार्य खड़े होते हैं। सच्चे नेता वही होते हैं, जो दूसरों को खुद से बड़े उद्देश्य के लिए प्रेरित करते हैं। जीत उन्हीं की होती है, जो तूफानों का सामना करते हुए आगे बढ़ते हैं। आजादी के लिए किया गया बलिदान कभी व्यर्थ नहीं जाता, यह आने वाली पीढ़ियों के लिए राह बनाता है। शक्ति संख्या में नहीं, बल्कि दिल के दृढ़ संकल्प में होती है। न्याय की ओर बढ़ाया गया हर छोटा कदम भी बदलाव की लहरें पैदा करता है। सच्चा योद्धा असफलता से नहीं डरता, बल्कि उससे सीखता है। आजादी सिर्फ कार्रवाई नहीं मांगती, बल्कि इसके महत्व पर अटूट विश्वास भी। दृढ़ निश्चय को अपनी ढाल और उम्मीद को अपनी तलवार बनाओ। सच्चे नेता ताकत से नहीं, बल्कि अपने कमाए गए विश्वास और सम्मान से उठते हैं। जब हालात आपके खिलाफ हों, तो साहस को अपनी राह का प्रकाश बनने दो। किसी राष्ट्र की शक्ति उसके लोगों की एकता और आत्मा में होती है। हार में भी, सही के लिए खड़ा होना सम्मान की बात है। आजादी के सपने हर जोखिम और हर बलिदान के लायक होते हैं। इतिहास उन्हें याद करता है, जो असंभव को चुनौती देने का साहस करते हैं। आजादी की लौ अपने दिल में जलती रहनी चाहिए। न्याय के लिए लड़ाई एक साहसी कदम से शुरू होती है।

आपकी आज की कार्रवाई कल की जीत की नींव रखती है। नेतृत्व वही है, जो दूसरों को असंभव पर विश्वास करना सिखाए। दृढ़ निश्चय वाली आत्मा की शक्ति को कभी कम मत आंकिए। संदेह के क्षणों में याद रखें कि आपने शुरुआत क्यों की थी। आजादी दी नहीं जाती, यह बलिदान और दृढ़ता से अर्जित की जाती है। निडर दिल सबसे बड़ी चुनौतियों को भी जीत सकता है। अपने उद्देश्य पर विश्वास रखें, दुनिया आपका अनुसरण करेगी। सच्चे नायक वही बनते हैं, जो असाधारण साहस का चुनाव करते हैं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

व्यक्ति के जीवन में मिट्टी का प्रभाव

यह कथा केवल धार्मिक प्रसंग नहीं, बल्कि मानवीय जीवन और परिवेश के गहरे संबंध को समझाने वाली दिव्य शिक्षा है। मार्कण्डेय पुराण का यह प्रसंग बताता है कि जिस वातावरण में हम रहते हैं, जिस भूमि को स्पर्श करते हैं और जिन स्थानों से गुजरते हैं, वहाँ की ऊर्जा, संस्कार और सूक्ष्म भाव हमारे मन और व्यवहार पर गहरा प्रभाव डालते हैं।

जब राम, लक्ष्मण और सीता वन में विचरण कर रहे थे, तब एक विशेष स्थान पर पहुँचते ही लक्ष्मण के मन में पहले कभी न आए ऐसे कुविचार आने लगे। यह बात स्वयं उन्हें भी आश्चर्य में डाल रही थी, क्योंकि लक्ष्मण अपने स्वभाव से अत्यंत शांत, समर्पित और मर्यादित थे। वे राम-सीता के प्रति भक्तिभाव और सेवा-भाव से सदैव पूर्ण रहते थे। कुविचारों का यह अचानक उदय उन्हें स्वयं असहज कर रहा था।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

राम जी ने लक्ष्मण को मिट्टी की एक पोटली बाँधने को कहा। उस पोटली को लेकर चलते समय लक्ष्मण का मन विचलित रहता, और जैसे ही रात में उसे नीचे रखते, उनका मन पुनः निर्मल और भक्तिभाव से भर जाता था। दो-तीन दिन तक ऐसा होने पर लक्ष्मण ने आश्चर्यचकित होकर इस रहस्य को जानना चाहा।

तब श्रीराम ने उन्हें बताया कि मन में उठने वाले भाव केवल व्यक्ति की प्रवृत्ति का परिणाम नहीं होते, बल्कि आसपास की भूमि और वातावरण में व्याप्त ऊर्जा से भी प्रभावित होते हैं। जिस मिट्टी को लक्ष्मण साथ लिए चल रहे थे, वह उस स्थान की थी जहाँ सुंद और उपसुंद नामक दो असुर रहते थे।

ये दोनों भाई अतुलनीय पराक्रमी थे और एक-दूसरे से अत्यधिक प्रेम करते थे। उन्होंने कठोर तप कर ब्रह्मा जी को प्रसन्न किया और अमरता का वरदान माँगा। ब्रह्मा जी ने उन्हें अमरता तो दी, पर यह शर्त रखी कि उनकी मृत्यु केवल उनके

आपसी संघर्ष से ही होगी। दोनों को लगा कि वे आपस में कभी नहीं लड़ेंगे, इसलिए वे सुरक्षित और अमर हैं।

वरदान के घमंड में वे देवताओं को सताने लगे। देवताओं ने ब्रह्माजी से सहायता माँगी। तब ब्रह्मा जी ने अद्भुत सौंदर्य की अप्सरा—तिलोत्तमा—का निर्माण किया और उसे उन दोनों असुरों के पास भेजा। तिलोत्तमा को देखते ही दोनों भाई मोहित हो गए। दोनों उसे अपना मानने लगे, और तिलोत्तमा ने चतुराई से कहा कि वह विजेता के साथ विवाह करेगी।

अपने अहंकार और मोह में अंधे होकर सुंद और उपसुंद आपस में ही भयंकर युद्ध करने लगे। उसी संघर्ष में दोनों भाई एक-दूसरे के हाथों मारे गए। जिस भूमि पर यह संग्राम हुआ, वहाँ घृणा, काम, क्रोध और द्वेष की शक्तियाँ सूक्ष्म रूप में वातावरण में फैल गईं। लक्ष्मण जिस मिट्टी को साथ लिए चल रहे थे, उसी मिट्टी में इन नकारात्मक संस्कारों का संचार था। इसलिए उस मिट्टी का प्रभाव उनके मन पर पड़ रहा था। कथा का संदेश अत्यंत गहरा है—

जैसा कर्म, वैसा वातावरण; और जैसा वातावरण, वैसा मन।

घर, भूमि, काम करने की जगह, तीर्थ, वन, नगर—सबमें कर्मों का प्रभाव सूक्ष्म रूप में संग्रहित रहता है। इसलिए कहा गया है कि घर को पवित्र रखना, वातावरण को सात्त्विक बनाए रखना और अपने आसपास सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना अत्यंत आवश्यक है।

जैसे सत्संग मन को शुद्ध करता है, वैसे ही अशांत या दूषित वातावरण मन को विचलित कर देता है।

अपने विचार

'साथियों, यह सत्र संसद देश के लिए क्या सोच रही है, क्या करना चाहती है, क्या करने वाली है। इन मुद्दों पर केंद्रित होनी चाहिए। विपक्ष भी अपना दायित्व निभाए। चर्चा में ऐसे मुद्दे उठाए। पराजय की निराशा में से निकल कर बाहर आए। कई दल पराजय के कारण परेशान हैं।

-नरेंद्र मोदी,
प्रधानमंत्री,भारत

हम सब भाई हैं, क्योंकि हम भारत माता की संतान हैं। हमारे बीच धर्म, भाषा, खान-पान, परंपराओं या राज्यों जैसे किसी मानव-निर्मित तत्व के आधार पर विभाजन नहीं है। विविधता के बावजूद हम एकजुट रहते हैं, क्योंकि हमारी मातृभूमि की यही संस्कृति है।

-मोहन भागवत,
सरसंघचालक, आरएसएस

जब AAP का गठन हुआ था, तो कई जाने-माने लोगों ने खुशी-खुशी अरविंद केजरीवाल का साथ दिया था, लेकिन उन्होंने "सभी को धोखा दिया और एक-एक करके, उन सभी ने उन्हें छोड़ दिया। आज, दुर्भाग्य से, मैं भी उस सूची में शामिल हो गया हूं।

- राजेश गुप्ता,
पूर्व विधायक,आप पार्टी

यदि SIR पर चर्चा नहीं हुई तो हम सदन की कार्यवाही नहीं चलने देंगे, समाजवादी पार्टी ने SIR का मुद्दा इसलिए उठाया है क्योंकि बड़े पैमाने पर हमने अनियमितताएं देखी हैं, हम देख रहे हैं कि लोगों के वोट काटे जा रहे हैं, सरकार EC का हवाला देकर इससे बच नहीं सकती।

-रामगोपाल यादव,
सपा नेता

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिमेदार).

ब्रीफ न्यूज़

मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कई ट्रेनें प्रभावित

मुंबई। मुंबई सेंट्रल स्टेशन के प्लेटफॉर्म सं. 4 पर कम्प्लीट ट्रैक रिन्यूअल कार्य के चलते 23 नवम्बर, 2025 से 60 दिनों का ब्लॉक लिया जा रहा है। जिसके चलते पश्चिम रेलवे की कई ट्रेनें प्रभावित होंगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 22946 ओखा – मुंबई सेंट्रल एक्सप्रेस दादर स्टेशन पर शॉर्ट–टर्मिनेट होगी तथा दादर और मुंबई सेंट्रल स्टेशनों के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी। ट्रेन संख्या 22210 हजरत निजामुद्दीन – मुंबई सेंट्रल एक्सप्रेस दादर स्टेशन पर शॉर्ट–टर्मिनेट होगी तथा दादर और मुंबई सेंट्रल स्टेशनों के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी। ट्रेन संख्या 09086 इंदौर – मुंबई सेंट्रल एक्सप्रेस दादर स्टेशन पर शॉर्ट–टर्मिनेट होगी तथा दादर और मुंबई सेंट्रल स्टेशनों के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी। ट्रेन संख्या 09076 काठगोदाम – मुंबई सेंट्रल एक्सप्रेस दादर स्टेशन पर शॉर्ट–टर्मिनेट होगी तथा दादर और मुंबई सेंट्रल स्टेशनों के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी। ट्रेन संख्या 09186 कानपुर अनवरगंज – मुंबई सेंट्रल एक्सप्रेस दादर स्टेशन पर शॉर्ट–टर्मिनेट होगी तथा दादर और मुंबई सेंट्रल स्टेशनों के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी।

कंगारू मदर केयर वर्कशॉप संपन्न

उल्हासनगर। उल्हासनगर महानगरपालिका आरोग्य विभाग, एफएमसीएच और केएचपीटी द्वारा संयुक्त रूप से केंगारू मदर केयर (KMC) प्रकल्प के प्रसार कार्यक्रम का आयोजन 25 नवंबर को कैंप–4 स्थित साई बाबा हॉल में किया गया। कार्यक्रम में कंगारू मदर केयर संस्था और एक्सपीरियंस के सहयोग से पिछले तीन वर्षों में किए गए कार्यों की समीक्षा की गई तथा कम वज़न वाले नवजात शिशुओं के लिए KMC की महत्ता, सुविधाओं और सामुदायिक गतिविधियों के सकारात्मक प्रभावों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर डॉ. आयशा, जय मोरे, डॉ. सारिका (KHPT), शुभांगी भोइते, श्रद्धा गुरव, नर्स मेंटर स्वाति गोसावी व मनीषा घारे, पीयर चेतना सर्वे, सुषमा बागुल सहित उल्हासनगर स्वास्थ्य विभाग, सेंट्रल व मैटरनिटी हॉस्पिटल के वैद्यकीय अधिकारी, यूपीएचसी टीम, आशा वर्कर और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मेंटल हेल्थ अवेयरनेस के लिए साइकिल चालकों ने लिया भाग

मुंबई। लोहे फाउंडेशन और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (SAI) द्वारा FIT इंडिया मूवमेंट के तहत आयोजित राइड टू एम्पावर – मुंबई साइक्लोथॉन 2025 आज बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (BKC) स्थित एमएमआरडीए ग्राउंड में शानदार तरीके से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में 6,000 से अधिक साइकिल चालकों ने भाग लिया, जिनमें नए साइकिलिस्ट, प्रोफेशनल्स, परिवार और पैरा–एथलीट शामिल थे। यह आयोजन मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का अनोखा उदाहरण बना।

जल जीवन मिशन के तहत बड़ा प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे जिला परिषद ने ग्रामीण क्षेत्रों में जल आपूर्ति प्रणाली की स्थिरता, पानी के स्रोतों की सुरक्षा और प्रभावी जल प्रबंधन को मज़बूत करने के उद्देश्य से आज से जल जीवन मिशन (JJM) के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। जिले की 431 ग्राम पंचायतों में से प्रत्येक से 5 प्रतिनिधि इस प्रशिक्षण में भाग ले रहे हैं, जिससे कुल 2,155 प्रतिभागी शामिल हुए हैं। यह प्रशिक्षण 1 दिसंबर से 30 दिसंबर 2025 तक 35 बैच में आयोजित किया जाएगा।

ग्राम स्तर पर जल प्रबंधन सुदृढ़ करने का प्रशिक्षण

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य ग्राम पंचायतों में कार्यरत विलेज वॉटर सप्लाई एंड सैनिटेशन कमेटी (VWSC) के सदस्यों की संस्थागत क्षमता को बढ़ाना है। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को जलापूर्ति योजना की प्लानिंग, इम्प्लीमेंटेशन, मेंटेनेंस, स्रोत मजबूती, पानी की गुणवत्ता प्रबंधन और दीर्घकालीन स्थिरता जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर जानकारी दी जा रही है, ताकि ग्राम स्तर पर बेहतर जल प्रबंधन सुनिश्चित हो सके।

देहरादून के प्रमुख संस्थान के विशेषज्ञ ट्रेनर दे रहे प्रशिक्षण

यह प्रशिक्षण हिमालयन इंस्टीट्यूट फॉर एनवायरनमेंट एंड डेवलपमेंट, देहरादून के विशेषज्ञ ट्रेनरों द्वारा संचालित किया जा रहा है। जिला परिषद, ठाणे और इस प्रमुख संस्थान के बीच समन्वय स्थापित कर पूरे प्रशिक्षण कार्यक्रम को राज्य स्तर के दिशा–निर्देशों के अनुसार लागू किया जा रहा है। प्रशिक्षण क्लस्टर स्तर पर आयोजित किया जाता है, जिससे ग्राम पंचायतों को नजदीकी केंद्र पर सुविधा मिल सके।

जल जीवन मिशन: हर ग्रामीण घर तक सुरक्षित जल पहुंचाने का लक्ष्य

भारत सरकार द्वारा 2019 में शुरू किया गया जल जीवन मिशन ग्रामीण भारत में जल आपूर्ति क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण अभियान है। इसका लक्ष्य हर ग्रामीण घर तक नल कनेक्शन (FHTC) के माध्यम से सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना है। यह एक सामुदायिक भागीदारी आधारित कार्यक्रम है, जिसमें गांव की जल समितियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है।

सस्टेनेबिलिटी और सोर्स स्ट्रेंथनिंग पर केंद्रित L3 प्रशिक्षण

JJM के तहत लेवल–3 (L3) प्रशिक्षण के फेज़–4 में, प्रत्येक ग्राम पंचायत के 5 प्रतिनिधियों को "सोर्स स्ट्रेंथनिंग एंड सस्टेनेबिलिटी" विषय पर विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इससे VWSC सदस्यों की क्षमता बढ़ेगी, जल स्रोतों की सुरक्षा और संरक्षण में सुधार होगा, जलापूर्ति योजनाओं का दीर्घकालीन प्रबंधन अधिक प्रभावी बनेगा और गांवों में जल प्रबंधन को आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी। जिला परिषद, ठाणे का मानना है कि यह प्रशिक्षण ग्रामीण क्षेत्रों के जलापूर्ति सिस्टम को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

छत्रपति शिवाजी महाराज की तस्वीर से खिलवाड़, नाराजगी

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

विधानसभा चुनावों के पूर्व शहर के कई हिस्सों में 'देवभाऊ' के साथ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के पोस्टर और छत्रपति शिवाजी महाराज को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनकी तस्वीर वाले विज्ञापन लगाए गए थे। इन पोस्टरों ने शहर की सुंदरता को बिगाड़ने के साथ विवाद भी खड़ा किया। मामला तब गंभीर हो गया जब कलवा रेलवे स्टेशन क्षेत्र में अज्ञात लोगों ने छत्रपति शिवाजी महाराज की तस्वीर और शिव मुद्रा को पेंट से ढक दिया और केवल "देवभाऊ" को छोड़ दिया। महाराष्ट्र के पूजनीय राजमुद्रा और शिवाजी महाराज की छवि से छेड़छाड़ किए जाने पर नागरिकों में भारी रोष फैल गया है।

कांग्रेस ने पुलिस स्टेशन पहुंचकर की कार्रवाई की मांग

इस घटना को गंभीर बताते हुए कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता राहुल पिंगले समेत पार्टी पदाधिकारी और बड़ी संख्या में शिव प्रेमी कलवा पुलिस स्टेशन पहुँचे। उन्होंने आधिकारिक रूप से मांग की कि धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने, समाज में दुश्मनी फैलाने, बदनाम करने और साजिश रचने जैसे मामलों में IPC की धारा 295A, 153, 153A, 500, 501, 298, 120B के तहत मामला दर्ज किया जाए। कांग्रेस ने सवाल उठाया कि फडणवीस द्वारा करोड़ों रुपये खर्च कर बनाई गई दीवारों पर लगाई गई इस पेंटिंग को किसने बनाया? क्या नगर निगम ने इसकी अनुमति दी थी?

जांच और सख्त कार्रवाई की मांग तेज

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि नगर निगम और संबंधित विभागों को तुरंत जांच शुरू कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। ब्लॉक प्रेसिडेंट राजू शेट्टी, नीलेश पाटिल, एडवोकेट जावेद शेख, सेवा दल प्रेसिडेंट रवींद्र कोली सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और शिव प्रेमियों ने विरोध दर्ज कराया। ठाणे में यह मामला चर्चा का प्रमुख विषय बन गया है !

402 फ्लैट्स की लॉटरी के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू

डीबीडी संवाददाता । दीपक पवार

MHADA की नासिक हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट बोर्ड यूनिट ने चुंचाले, पाथर्डी, मखमलबाद, अडगांव और सतपुर शिवरा के विभिन्न हाउसिंग प्रोजेक्ट्स में उपलब्ध 402 रेजिडेंशियल फ्लैट्स की बिक्री के लिए ऑनलाइन एप्लीकेशन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू कर दी है। MHADA के वाइस चेयरमैन व CEO संजीव जायसवाल ने बांद्रा ईस्ट स्थित हेडक्वार्टर में आयोजित गो-लाइव प्रोग्राम में इस सुविधा का शुभारंभ किया। जायसवाल ने बताया कि वर्ष 2025 में यह नासिक बोर्ड की चौथी लॉटरी है, इससे पहले तीन ड्रॉ के माध्यम से 846 फ्लैट्स बिक्री के लिए उपलब्ध कराए जा चुके हैं। इस सेल में सफल आवेदकों को फ्लैट की कीमत पाँच किश्तों में चुकानी होगी।

लो व मिडिल इनकम ग्रुप के लिए फ्लैट उपलब्ध

इस लॉटरी में लो इनकम ग्रुप (LIG) के लिए 293 और मिडिल इनकम ग्रुप (MIG) के लिए 109 फ्लैट शामिल हैं। कीमतें 14,94,023 से 36,75,023 तक तय की गई हैं। इच्छुक आवेदक MHADA की आधिकारिक वेबसाइट पर 23 दिसंबर रात 11.59 बजे तक ऑनलाइन आवेदन और डिपॉजिट पेमेंट कर सकते हैं, जबकि NEFT/RTGS से भुगतान 24 दिसंबर को बैंक समयानुसार किया जा सकेगा।

देवलाली कैंटोनमेंट बोर्ड के नॉमिनेटेड मेंबर को बदलने की केंद्र सरकार की पावर पर सुनाया अलग-अलग फैसला

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने नाशिक के देवलाली कैंटोनमेंट बोर्ड के एक नॉमिनेटेड मेंबर को केंद्र सरकार द्वारा उनके तय कार्य काल से पहले हटाने से जुड़े मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। संबंधित सदस्य का कार्यकाल 10 फरवरी 2026 तक तय है। अदालत ने कहा कि किसी मौजूदा सदस्य को मनमाने ढंग से नहीं हटाया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते-डेरे और न्यायमूर्ति डॉ. नीला गोखले की पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार को किसी सदस्य को हटाने या नए सदस्य को नियुक्त करने से पहले पूरी संतुष्टि दर्ज करनी होगी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कैंटोनमेंट एक्ट 2006 में निर्धारित प्रक्रिया का पालन अनिवार्य है!

'डॉक्ट्रिन ऑफ प्लेजर' लागू, लेकिन मनमानी नहीं चलेगी

पीठ ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार नामांकन प्राधिकरण होने के नाते 'डॉक्ट्रिन ऑफ प्लेजर' का उपयोग कर सकती है, जिसके तहत किसी नॉमिनेटेड सदस्य की जगह दूसरा सदस्य नियुक्त किया जा सकता है। फिर भी यह प्रक्रिया कानून के दायरे में और उचित कारणों के साथ ही होनी चाहिए। बिना नोटिस और बिना कारण दर्ज किए किसी सदस्य को हटाना नियमों के विरुद्ध है।

वेद–शास्त्र के अनुसार जीवन जीना आवश्यक : जगद्गुरु शंकराचार्य

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

मीरा रोड स्थित बालासाहेब ठाकरे मैदान में सकल हिंदू समाज द्वारा आयोजित धर्मसभा में द्वारका शारदा पीठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य सदानंद सरस्वती महाराज ने लोगों को धर्म के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि 84 लाख योनियों के बाद मानव देह की रचना हुई, जो सर्वश्रेष्ठ है। उन्होंने कहा कि मनुष्य को बुद्धि इसलिए दी गई है ताकि वह धर्म का पालन करे, परंपराओं को समझे और सत्य मार्ग पर चले। लेकिन मृत्यु लोक में आने के बाद मनुष्य अपने धर्म और लक्ष्य से भटक जाता है। ऐसे समय में प्रभु श्रीराम और श्रीकृष्ण जैसे अवतार मानवता को वेद-शास्त्रों का ज्ञान देकर सही मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि धर्म के छह लक्षण हैं और धर्म का पालन करने से ही लोक और परलोक दोनों का कल्याण होता है। भौतिक सुख मिलने के बावजूद मनुष्य शांति नहीं खरीद सकता, क्योंकि सच्चा सुख धर्म में ही निहित है। उन्होंने लोगों से अपने बच्चों को धर्म की शिक्षा देने की अपील की।

'धर्म ही अटल सत्य, इसकी रक्षा सबका कर्तव्य'

राजस्थान धनपुरा से आए रामस्वरूप ब्रह्मचारी महाराज ने कहा कि सनातन धर्म अटल सत्य है, इसलिए इस पर कई बार आक्रमण हुए, परंतु आज भी यह टिका हुआ है। उन्होंने कहा कि धर्म का पालन प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है, क्योंकि जब आप धर्म की रक्षा करेंगे, तब धर्म भी आपकी रक्षा करेगा। वहीं विरार भालेवली से आए नाथ संप्रदाय के ऋषभदास महाराज ने कहा कि शारीरिक और मानसिक साधना के माध्यम से इसी जीवन में मोक्ष प्राप्त किया जा सकता है।

आयोजकों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति से धर्मसभा सफल

आयोजकों में शामिल भाजपा जिला उपाध्यक्ष शंकर विरकर और सुरेश राजपुरोहित ने कहा कि सनातन धर्म शांति का प्रतीक है और गौसेवा तथा धर्म जागरूकता के लिए समय–समय पर ऐसी धर्मसभाओं का आयोजन किया जाएगा। शाम की भजन–संध्या में हर–हर महादेव और जय श्रीराम के जयघोष से पूरा परिसर गूंज उठा। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। धर्मसभा में परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, विधायक नरेंद्र मेहता, 145 विधानसभा अध्यक्ष रवि व्यास, भवन निर्माता मनोज पुरोहित, प्रवक्ता शैलेश पांडे, आकांक्षा विरकर सहित शहर के अनेक प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

मुरबाड में रोका गया बाल विवाह

प्रशासन और सामाजिक संगठनों की सतर्कता

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

23 नवंबर 2025 को सुबह 11.30 बजे कंट्रोल चाइल्ड हेल्पलाइन (1098) पुणे से दो 16 वर्षीय लड़कियों की 24 नवंबर को होने वाली बाल शादी की गंभीर सूचना मिली। बताया गया कि उसी दिन शाम 7 बजे हल्दी की रस्म रखी गई है। सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया और संबंधित परिवारों की पूरी जानकारी एकत्रित कर जिला महिला व बाल विकास अधिकारी तथा जिला चाइल्ड प्रोटेक्शन सेल को तत्काल सूचित किया गया। निर्देशानुसार स्थानीय सामाजिक संगठनों और मुरबाड पुलिस स्टेशन को भी लिखित जानकारी देकर त्वरित कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई। सूचना के बाद चाइल्ड हेल्पलाइन के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर, स्थानीय पुलिस विभाग, पुलिस पाटिल, महाराष्ट्र सोशल डेवलपमेंट ट्रस्ट और सेवा संगठन की टीम मौके पर पहुंची। परिवार द्वारा हल्दी की रस्म टीम के पहुँचने से पहले ही रोक दी गई थी। लड़की घर पर मौजूद नहीं थी, लेकिन टीम ने सबसे पहले बच्ची के माता-पिता को समझाते हुए स्पष्ट किया कि 18 वर्ष से पहले विवाह कराना चाइल्ड मैरिज प्रिवेंशन एक्ट 2006 के तहत दंडनीय अपराध है।

100-दिवसीय अभियान पर जोर

चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (CWC) की चेयरपर्सन को मामले की जानकारी दी गई, जिन्होंने माता–पिता व लड़की से फोन पर बात कर आवश्यक काउंसलिंग की तथा 24 नवंबर 2025 को उन्हें CWC के सामने उपस्थित होने के निर्देश दिए। बाल विवाह रोकने की इस कार्रवाई के साथ ही राज्यभर में चल रहे चाइल्ड मैरिज फ्री महाराष्ट्र – आपला संकल्प तथा चाइल्ड मैरिज फ्री इंडिया अभियान पर भी बल दिया गया। यह 100 दिवसीय विशेष अभियान अक्टूबर 2025 से 26 जनवरी 2026 तक चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य महाराष्ट्र को बाल विवाह मुक्त बनाना है।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ संभव है। जोखिम न लें। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी। मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति जीवन में आनंद का संचार करेगी। कई दिनों से रुका पैसा मिल सकेगा।

वृष बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न उठाएं। आज का दिन आपके लिए शुभ रहने की संभावना है। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर मिलेंगे। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

मिथुन मेहनत का फल मिलेगा। योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कर्ज से दूर रहना चाहिए। खर्च में कमी होगी। कानूनी विवादों का निपटारा आपके पक्ष में होने की संभावना है। प्रतिष्ठितजनों से मेल–जोल बढ़ेगा।

कर्क विवाद से क्लेश होगा। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग परेशान कर सकता है। जोखिम न लें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता प्राप्ति के योग हैं। सावधानी व सतर्कता से व्यापारिक अनुबंध करें। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।

सिंह मेहनत का फल कम मिलेगा। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। संतान की शिक्षा की चिंता समाप्त होगी। व्यापार–व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। महत्व के कार्य को समय पर करें। व्यावसायिक श्रेष्ठता का लाभ मिलेगा।

कन्या संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। धैर्य एवं शांति से वाद–विवादों से निपट सकेंगे। दुस्साहस न करें। नए विचार, योजना पर चर्चा होगी। स्वयं की प्रतिष्ठा व सम्मान के अनुरूप कार्य हो सकेंगे।

तुला कुसंगति से हानि होगी। वाहन मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी परह नियंत्रण रखें, जोखिम न लें। परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे। व्यापारिक लाभ होगा। संतान के प्रति झुकाव बढ़ेगा। शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी।

वृश्चिक किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ होगा। धन संचय की बात बनेगी। परिवार के कार्यों पर ध्यान देना जरूरी है। रुका कार्य होने से प्रसन्नाता होगी। आर्थिक सलाह उपयोगी रहेगी।

धनु चोट व रोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। धर्म–कर्म में रुचि रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। क्रय–विक्रय के कार्यों में लाभ होगा। योजनाएं बनेंगी। उच्च और बौद्धिक वर्ग में विशेष सम्मान प्राप्त होगा। भाइयों से अनबन हो सकती है। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें।

मकर राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम–प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। जायदाद संबंधी समस्या सुलझने के आसार बनेंगे। अनुकूल समाचार मिलेंगे तथा दिन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे।

कुंभ व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। परिश्रम का अनुकूल फल मिलेगा। परिजनों के स्वास्थ्य और सुविधाओं की ओर ध्यान दें।

मीन व्यापार–व्यवसाय संतोषप्रद रहेगा। आपसी संबंधों को महत्व दें। अल्प परिश्रम से ही लाभ होने की संभावना है। खर्चों में कमी करने का प्रयास करें। अति व्यस्तता रहेगी। बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। थकान रहेगी।

जन्मकुंडली में इन ग्रहों के संयोग से बनता है सरकारी नौकरी का योग

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सरकारी नौकरी की संभावनाओं का आंकलन मुख्य रूप से जन्मकुंडली के दशम भाव का विश्लेषण करके किया जाता है। यह भाव करियर, प्रोफेशन और प्रतिष्ठा का प्रतिनिधित्व करता है। किसी व्यक्ति के जन्म के समय ग्रहों की स्थिति उसके करियर, व्यक्तित्व, कारोबार, सेहत और वैवाहिक जीवन पर गहरा प्रभाव डालती है। कुंडली में कई ऐसे विशेष योग और राजयोग होते हैं, जिनके बनने से व्यक्ति के सरकारी नौकरी पाने की संभावना बढ़ जाती है। आइए जानते हैं वे कौन-से ग्रह संयोग हैं, सरकारी के लिए शुभ माने जाते हैं-

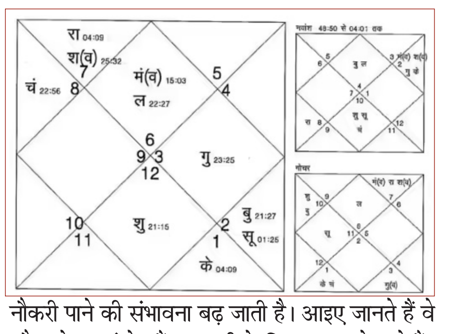

प्रियंका जैन
9769994439

जन्मकुंडली में सरकारी नौकरी के प्रमुख योग

१. लग्न में मजबूत सूर्य

यदि कारकांश जन्मपत्री में सूर्य लग्न में मेष राशि में स्थित हो और कुंडली में तीन-चार अन्य ग्रह शुभ स्थिति में हों, तो व्यक्ति में नेतृत्व क्षमता बढ़ती है। ऐसे जातक प्रशासनिक सेवाओं मंअ जाते हैं और समाज में विशेष सम्मान प्राप्त करते हैं।

२. दूसरे, छठे और दसवें भाव में बलवान सूर्य

यदि कुंडली के द्वितीय, षष्ठ और दशम भाव में सूर्य स्वराशि, उच्च राशि या मूलत्रिकोण में स्थित हो, तो सरकारी नौकरी की संभावनाएं काफी बढ़ जाती हैं। साथ ही यह देखना आवश्यक है कि सूर्य कितने डिग्री पर स्थित है और उस पर किन ग्रहों की दृष्टि पड़ रही है।

३. इन भावों में मजबूत गुरु

अगर गुरु ग्रह भी दूसरे, छठे या दसवें भाव में बलवान हो, तो यह सरकारी नौकरी का प्रबल योग बनाता है। ऐसे लोग सात्विक, धार्मिक प्रवृत्ति वाले और प्रतिष्ठित पदों पर पहुँचने वाले होते हैं।

४. दशमेश की दृष्टि और शुभ ग्रहों का द्विद्वादश योग

यदि दशम भाव पर दशमेश की दृष्टि हो और जन्मांग चक्र में शुभ ग्रह द्विद्वादश योग बनाते हों, तथा लग्नेश मजबूत हो-तो व्यक्ति प्रशासनिक सेवाओं या उच्च सरकारी पदों पर पहुंच सकता है। ऐसे लोग साहसी, पराक्रमी और निर्णय क्षमता में मजबूत होते हैं।

५. चंद्रमा ग्यारहवें भाव में और गुरु तीसरे भाव में

कुंडली में यदि चंद्रमा 11वें भाव और गुरु 3रे भाव में स्थित हों, तो यह योग जीवन में सुख, समृद्धि और सरकारी नौकरी की प्राप्ति का संकेत देता है। ऐसे लोग शिक्षा क्षेत्र में-शिक्षक, प्रोफेसर या प्रिंसिपल-जैसे पदों पर भी आगे बढ़ते हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

दिल्ली से सागर जा रही बस पलटी, बुलानी पड़ी क्रेन

झांसी। दिल्ली से मध्य प्रदेश के सागर जा रही एक यात्री बस सोमवार सुबह झांसी में ग्वालियर रोड पर पलट गई। हादसा सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के ग्रासलैंड चौकी के पास उस समय हुआ जब चालक ने सड़क पर जाम देखकर बस को पीछे मोड़ने का प्रयास किया। संतुलन बिगड़ते ही बस पलट गई और भीतर बैठे यात्री फंस गए। बस में लगभग 30 लोग सवार थे। हादसे के तुरंत बाद यात्रियों में हड़कंप मच गया और चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर जुट गए। सूचना मिलते ही सीओ सिटी लक्ष्मीकांत गौतम और सीपरी बाजार पुलिस टीम पहुंची। पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर बस की खिड़कियों के शीशे तोड़कर सभी यात्रियों को बाहर निकाला। सौभाग्य से कोई गंभीर घायल नहीं हुआ। तीन यात्रियों—गौरव कुमार और उनके दो परिजनों—को हल्की चोटें आईं, जिन्हें पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार दिया गया। खुशबू बस सर्विस (बीआर 03 पीबी 2614) की यह बस दिल्ली से सागर जा रही थी। क्रेन की मदद से बस को सीधा कराकर यात्रियों को आगे की यात्रा के लिए रवाना किया गया। सीओ सिटी ने बताया कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। पुलिस ने यात्रियों को सुरक्षित निकालकर बड़ा हादसा होने से बचा लिया।

घर में चल रहा था धर्मांतरण, दो गिरफ्तार

प्रयागराज। उप्र के प्रयागराज जिले में स्थित कैन्ट थाने की पुलिस टीम ने अवैध तरीके से धर्मान्तरण कराने के मामले में रविवार रात दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने दोनों के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेज दिया। पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में प्रयागराज जिले के खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के लूकरगंज निवासी सी.पी. राजे पुत्र एम.एम.पीटर और कैन्ट थाना क्षेत्र के म्योराबाद निवासी अनिल थामस पुत्र सदा शिव पिल्लै है। डीसीपी नगर ने बताया कि 29 नवम्बर को नगर कोतवाली क्षेत्र हीवेट रोड निवासी अमित मिश्रा ने कैंट थाने में पुलिस को तहरीर दिया कि म्योराबाद स्थित पीटर राजू पादरी के घर में अवैध धर्मान्तरण का कार्य चल रहा था, जहां आरोपित पादरी पीटर राजू, अनिल थामस आदि द्वारा लोगों को अपना धर्म परिवर्तित कर दूसरा धर्म अपनाने के लिए पैसों का लालच व नौकरी देने की बात कही जा रही थी।

हर्ष फायरिंग में बच्चे को लगी गोली, हालत नाजुक

नोएडा। उप्र के नोयडा थाना जारचा क्षेत्र के ग्राम नगला चमरू में बारात चढ़त के समय हुई हर्ष फायरिंग में एक बच्चे को गोली लग गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने इस घटना को कारित करने वाले दो लोगों को हिरासत में लिया है। बच्चे को उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उसकी हालत अत्यंत नाजुक बनी हुई है। बताया जाता है कि जिस हथियार से हर्ष फायरिंग हुई है वह लाइसेंसी है। एक रिटायर्ड फौजी के नाम से इसका लाइसेंस है। उसका बेटा हथियार लेकर रात को बारात में आया था। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है।

पुलिस मुठभेड़ में कुख्यात शिकारी राय गिरफ्तार

आधा दर्जन से अधिक मामलों में वांछित था नंद किशोर उर्फ शिकारी राय

एजेंसी । पटना

सारण जिले में सोमवार सुबह पुलिस और एक कुख्यात अपराधी के बीच हुई मुठभेड़ में पुलिस ने आधा दर्जन से अधिक मामलों में वांछित अपराधी नंद किशोर राय उर्फ शिकारी राय को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को गोली लगने के बाद दबोचा गया, जबकि एक पुलिस पदाधिकारी भी इस दौरान घायल हुए। सारण के एसएसपी डॉ. कुमार आशीष ने बताया कि 30 नवंबर को छोटी तेलपा क्षेत्र में एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्या की त्वरित जांच के लिए एएसपी सदर के नेतृत्व में एसआईटी गठित की गई। जांच के दौरान पुलिस ने सुरागों के आधार पर अख्तियारपुर नहर के पास से शिकारी राय को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने दरियापुर बिसही के निवासी भीषम राय उर्फ आजाद सिंह की हत्या की बात स्वीकार कर ली और बताया कि उसने रंजिश में वारदात को अंजाम दिया। उसने यह भी बताया कि हत्या में इस्तेमाल हथियार को उसने बिशनपुर ढाला के पास बगीचे में छिपा रखा है। पुलिस टीम जब हथियार बरामद करने के लिए मौके पर पहुंची, तो आरोपी ने हथियार निकालकर टीम पर फायरिंग कर दी और भागने की कोशिश की। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसे पैर में गोली लगी और उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। घायल आरोपी और घायल पुलिस अधिकारी सुमन कुमार दोनों का इलाज कराया जा रहा है।

दो पिस्टल, आठ जिंदा कारतूस बरामद

पुलिस ने शिकारी राय की गिरफ्तारी को एक महत्वपूर्ण सफलता बताते हुए बताया कि उसके पास से दो पिस्टल, आठ जिंदा कारतूस, दो खोखे, तीन मैगजीन और वारदात के समय पहना गया कपड़ा बरामद किया गया है। इन बरामद वस्तुओं से न केवल आरोपी की संलिप्तता स्पष्ट होती है, बल्कि मामले की जांच को भी मजबूती मिलती है। पुलिस टीम ने मौके पर साक्ष्य एकत्र करते हुए तकनीकी और फॉरेंसिक विश्लेषण के लिए भी सामग्री भेज दी है, ताकि पूरी तरह पुख्ता केस तैयार किया जा सके। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी शिकारी राय और मृतक दोनों के खिलाफ पहले से ही कई संगीन आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिससे स्पष्ट है कि दोनों अपराध जगत से जुड़े रहे हैं।

विदेशी आक्रांताओं जैसा व्यवहार अस्वीकार्य: जगद्गुरू रामभद्राचार्य

एजेंसी । संभल

संभल के एंचौड़ा कम्बोह स्थित कल्कि धाम में शुरू हुए सात दिवसीय श्री कल्कि कथा महोत्सव के पहले दिन पहुंचे पद्मविभूषण जगद्गुरु रामानंदाचार्य तुलसी पीठाधीश्वर स्वामी रामभद्राचार्य ने पत्रकारों से बातचीत में भारत की संस्कृति, परंपरा और राष्ट्रीय भाव से जुड़े कई मुद्दों पर अपना मत व्यक्त किया।स्वामी रामभद्राचार्य ने कहा कि भारत की सरज़मीं संतों, कवियों और महापुरुषों की भूमि है। ऐसे में यहां किसी को विदेशी आक्रांताओं जैसा व्यवहार करने की इजाज़त नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा, "भारत माता का अपमान करने वालों को यह देश बर्दाश्त नहीं करेगा। यहां रहना है तो तुलसीदास, सूरदास और कबीरदास की मार्गदर्शक परंपरा को अपनाना होगा, न कि अकबर या बाबर जैसी प्रवृत्ति।" उन्होंने कहा कि भारत में रहने वाले प्रत्येक नागरिक को 'वंदे मातरम' का सम्मान करना चाहिए और गाय को मां के रूप में पूजना चाहिए। स्वामी रामभद्राचार्य ने कहा कि भारत माता को अपमानित करने वाले बयानों को सहन नहीं किया जा सकता।

भारत में पत्नी की अवधारणा स्वीकृत

पत्नी शब्द की व्याख्या को लेकर दिए अपने बयान पर सफाई देते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने शास्त्रसम्मत दृष्टिकोण से ही बात कही है। उनका कहना था कि "भारत में 'पत्नी' शब्द की अवधारणा ही स्वीकृत है, जो पति को पतन और अनैतिकता से दूर रखने वाली होती है। अंग्रेजी शब्द 'वाइफ' की शास्त्रीय कसौटी पर कोई व्याख्या सिद्ध हो जाए, तो मैं उसे त्रिदंड गंगा में अर्पित कर दूंगा।" उनका यह बयान महज शास्त्रीय दृष्टिकोण को स्पष्ट करने के उद्देश्य से था और इसमें किसी धर्म या संस्कृति के अपमान का कोई आशय नहीं था। इस बीच, कल्कि धाम में चल रहा महोत्सव विशेष रूप से ध्यान आकर्षित कर रहा है। यह महोत्सव एक सप्ताह तक चलेगा और इसे धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पहले दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण और पूजा-अर्चना के लिए एकत्र हुए।

घने कोहरे के चलते ट्रेनों का संचालन प्रभावित

एजेंसी । बरेली

सर्दियों में बढ़ते कोहरे को देखते हुए पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर मंडल ने ट्रेन संचालन की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कई अहम कदम उठाए हैं। कोहरे के दौरान ट्रैक विज़िबिलिटी कम होने से ट्रेनें धीमी गति से चलती हैं, जिसके कारण लाइन क्षमता घट जाती है। इसी वजह से कई ट्रेनों के फेरे कम किए गए हैं, जबकि कुछ सेवाओं को अस्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया गया है। मंडल द्वारा जारी सूची के मुताबिक लालकुंआ–आनंद विहार टर्मिनस एक्सप्रेस 2 दिसंबर 2025 से 12 फरवरी 2026 तक नहीं चलेगी। इसके अलावा काठगोदाम–जम्मूतवी, कानपुर–काठगोदाम और लालकुआं–अमृतसर एक्सप्रेस भी दिसंबर से फरवरी के बीच कई निर्धारित तिथियों पर निरस्त रहेंगी। इसी क्रम में दिल्ली–काठगोदाम, मुरादाबाद–रामनगर, हावड़ा–काठगोदाम और सिंगरौली/शक्तिनगर–टनकपुर रूट की कई ट्रेनों की आवृत्ति में भी कमी की गई है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह सभी बदलाव शीतकाल में सुरक्षित ऑपरेशन सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे हैं।

ट्रांसफार्मर से टकराए बाइक सवार, दो की मौत

एजेंसी । फतेहपुर

जिले के बिंदकी कोतवाली क्षेत्र में सोमवार देर रात हुए एक भीषण सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार तीन युवक ट्रांसफॉर्मर के पक्के चबूतरे से टकरा गए। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक की हालत गंभीर होने पर उसे कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, खजुहा कस्बे के पास यह दुर्घटना तब हुई जब तीनों युवक दोस्त की बहन की शादी में शामिल होकर लौट रहे थे। तेज रफ्तार और नियंत्रण खोने के कारण बाइक सड़क किनारे लगे ट्रांसफार्मर के चबूतरे से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल युवकों की पहचान अमित कुमार (22) निवासी बकालपुर, जनपद एटा; शिवम कनौजिया (24) निवासी अमौली, जनपद फतेहपुर; और पुनीत तिवारी (23) निवासी हरईया, जनपद हरदोई के रूप में हुई। पुलिस ने सभी को तत्काल एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिंदकी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने अमित और शिवम को मृत घोषित कर दिया।

एक्स-रे टेक्नीशियन का ले रहे थे प्रशिक्षण

कोतवाली प्रभारी हेमंत कुमार मिश्रा ने बताया कि तीनों युवक हाल ही में हैलट अस्पताल में एक्स-रे तकनीशियन का प्रशिक्षण ले रहे थे। ये युवक अपने पेशेवर कौशल को बढ़ाने और अनुभव प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षण ले रहे थे, ताकि भविष्य में मरीजों की बेहतर सेवा कर सकें। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उन्होंने किसी शुभ अवसर में भाग लेने और सामाजिक समारोहों में शामिल होने के लिए यात्रा की थी।

ट्रेन की चपेट में आए हाथी के बच्चे की मौत

एजेंसी । हरिद्वार

हरिद्वार–रायवाला के बीच सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में लगभग छह साल के हाथी के शावक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। यह घटना राजाजी टाइगर रिजर्व की हरिद्वार रेंज के खडखड़ी बीट क्षेत्र में हुई, जो वन्यजीवों के आवागमन के लिए जाना जाता है। बताया गया है कि हाथियों का एक दल ट्रेन के पटरियों को पार कर रहा था, जब हादसा हुआ। सुबह लगभग 6:30 बजे चार हाथियों का झुंड पटरियों को पार कर रहा था। इसी दौरान हावड़ा-दून एक्सप्रेस वहां से गुजर रही थी। ट्रेन की तेज रफ्तार और झुंड में शामिल नर हाथी के बच्चे की मौजूदगी के कारण शावक सीधे ट्रेन की चपेट में आ गया। शावक करीब कुछ दूरी तक ट्रेन के नीचे घिसटता चला गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के तुरंत बाद ट्रेन को काफी देर तक रोका गया।

पायलट, को-पायलट पर एफआईआर दर्ज

वन विभाग ने लोको पायलट और सहायक लोको पायलट के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक जांच में धुंध भी दुर्घटना का एक कारण हो सकता है, जिससे दृश्यता कम हो गई थी। हरिद्वार रेंजर महेश सेमवाल के मुताबिक, ट्रेन के नीचे फंसे हाथी के बच्चे को काफी प्रयास के बाद बाहर निकाला गया, जबकि झुंड को सुरक्षित रूप से ट्रैक से दूर ले जाया गया। इसके बाद ट्रेन को आगे रवाना किया गया। घटना के बाद वन विभाग ने पूरे क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी है और दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच जारी है।

संभल में सहायक बीएलओ की संदिग्ध मौत

एजेंसी । संभल

उत्तर प्रदेश के संभल जिले के नखासा थाना क्षेत्र के चौकुनी गांव में सोमवार तड़के सहायक बीएलओ की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत होने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान 40 वर्षीय अरविंद कुमार के रूप में हुई है, जो अमरोहा की तहसील हसनपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय फैय्याज नगर में प्रधानाध्यापक थे। इसके साथ ही वे बूथ संख्या 226 पर सहायक बीएलओ के रूप में भी तैनात थे। परिवार के अनुसार, सुबह करीब 4 बजे अरविंद कुमार की पत्नी उन्हें जगाने के लिए कमरे में गईं। काफी देर प्रयास करने के बाद भी जब वह नहीं उठे तो परिजनों को अनहोनी का संदेह हुआ। तुरंत ही ग्रामीणों और रिश्तेदारों को सूचना दी गई। कुछ ही देर में अरविंद के मृत होने की पुष्टि होते ही परिजन बेसुध हो उठे। अचानक हुए इस हादसे ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। अरविंद अपने पीछे पत्नी प्रतिभा और दो बच्चों—13 वर्षीय गरिमा और 10 वर्षीय लविश—को छोड़ गए हैं। दोनों बच्चे अमरोहा जिले के ढ़वारसी गांव स्थित वेदांत स्कूल में पढ़ते हैं। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है। नखासा थाने के इंस्पेक्टर संजीव बालियान ने बताया कि फिलहाल कोई लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। शिकायत मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयान के आधार पर मामले की जांच आगे बढ़ाई जाएगी।

व्यापार जगत

ग्लोबल मार्केट में सकारात्मक माहौल, एशियाई बाजारों में भी रौनक

एजेंसी । नई दिल्ली

सप्ताह के पहले दिन अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मिले मजबूत संकेतों ने निवेशकों का मनोबल बढ़ाया है। अमेरिकी और यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र की तेजी का असर आज एशियाई बाजारों में भी साफ दिखाई दे रहा है।

अमेरिकी बाजारों में जोरदार समापन

पिछले ट्रेडिंग सत्र में वॉल स्ट्रीट उत्साह से सराबोर रहा। एस एंड पी 500 0.54% चढ़कर 6,849.09 अंक पर बंद हुआ। नैस्डैक में 151 अंकों की मजबूती दिखी और सूचकांक 0.65% बढ़कर 23,365.69 अंक पर रहा। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज 0.41% लुढ़ककर 47,520.08 अंक पर ट्रेड करता दिखाई दिया।

यूरोपीय बाजारों में भी बनी रही तेजी

पिछले सत्र में यूरोपीय बाज़ारों ने भी मजबूती के साथ ट्रेडिंग की। एफटीएसई 0.27% बढ़कर 9,720.51 अंक पर बंद हुआ। सीएसी 0.29% उछलकर 8,122.71 अंक पर रहा। डीएएक्स भी 0.29% की बढ़त के साथ 23,836.79 अंक पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों की चाल

आज एशिया के नौ प्रमुख बाजारों में से सात हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक गिरावट में बने हुए हैं। निक्केई में सबसे बड़ी गिरावट देखी गई, जो 1.89% टूटकर 49,302 अंक पर आ गया। ताइवान वेटेड 0.67% की गिरावट के साथ 27,441.24 अंक पर फिसला। वहीं दूसरी ओर कई बाजारों में मजबूती कायम है।

सरल हुई कोयला, लिग्नाइट की खोज के लिए मंजूरी प्रक्रिया

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने कोयला एवं लिग्नाइट ब्लॉक से संबंधित अन्वेषण कार्यक्रमों एवं भूवैज्ञानिक रिपोर्ट के लिए अनुमोदन की प्रक्रिया को सरल बना दिया है। नई प्रक्रिया के तहत अब 2022 में इस उद्देश्य के लिए गठित सरकारी समिति से मंजूरी की आवश्यकता नहीं है। कोयला मंत्रालय ने सोमवार को जारी एक बयान में बताया कि कोयला एवं लिग्नाइट ब्लॉक से संबंधित अन्वेषण कार्यक्रमों व भूवैज्ञानिक रिपोर्ट के लिए अनुमोदन प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। इस कदम का मकसद कारोबार सुगमता को बढ़ाना और कुशल एवं टिकाऊ अन्वेषण को बढ़ावा देना है। कोयला मंत्रालय के द्वारा प्रकाशित नई कार्यप्रणाली इसकी वेबसाइट पर उपलब्ध है।

तीन महीने की होगी बचत

भूवैज्ञानिक रिपोर्ट की अनुमोदन प्रक्रिया में कम से कम 3 महीने की बचत होगी, जिसके परिणामस्वरूप कोयला ब्लॉक का शीघ्र चालू हो सकेगा और कोयला ब्लॉक आवंटियों को समय पर लक्ष्य पूरे करने में सुविधा मिलेगी। इस सुधार से अन्वेषण में तेजी आने, अनुमोदन की समय-सीमा कम होने और देश के कोयला संसाधनों की दीर्घकालिक सुरक्षा और सतत उपयोग में योगदान मिलने की उम्मीद है।

ATF फिर महंगा, विमान ईंधन के दाम 5.4% बढ़े

एजेंसी । नई दिल्ली

हवाई सफर एक बार फिर महंगा होने की ओर बढ़ सकता है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में 5.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। वैश्विक बाजार में ऊंचे रुझानों के बीच कंपनियों ने यह मासिक मूल्य संशोधन जारी किया है। मुंबई में नई दर 93,281.04 रुपये प्रति किलोलीटर है, जबकि चेन्नई में कीमत 1,03,301.80 रुपये और कोलकाता में 1,02,371 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है।

मारुति सुजुकी और सुजुकी मोटर गुजरात का विलय

एजेंसी । नई दिल्ली

देश की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (MSIL) ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई सुजुकी मोटर गुजरात (SMG) के साथ विलय की प्रक्रिया औपचारिक रूप से पूरी कर ली है। यह विलय आज से प्रभावी हो गया है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (NCLT) की मंजूरी मिलने के बाद कंपनी ने इस योजना को लागू करते हुए इसकी आधिकारिक सूचना शेयर बाजारों को भेज दी है। आदेश की प्रमाणित प्रति दाखिल किए जाने के साथ ही एसएमजी का अलग अस्तित्व समाप्त हो गया है और उसकी सभी परिसंपत्तियाँ, देनदारियाँ और संचालन अब पूरी तरह से एमएसआईएल में समाहित हो गए हैं। कंपनी के अनुसार, विलय के बाद मारुति सुजुकी की अधिकृत शेयर पूंजी में 15,000 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है, जो कंपनी की विस्तार योजनाओं और विनिर्माण क्षमता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी।

शेयर बाजार की प्रतिक्रिया

बीएसई पर मारुति सुजुकी के शेयर आज 0.15% की हल्की बढ़त के साथ 15,917.25 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे। वहीं एनएसई पर इसका शेयर मूल्य 15,914.00 रुपये पर रहा। विलय के बाद कंपनी के संचालन को अधिक सुदृढ़ और कुशल बनाने की उम्मीद जताई जा रही है, जबकि उद्योग विशेषज्ञ इसे मारुति की दीर्घकालिक रणनीति के मुताबिक बड़ा कदम मान रहे हैं।

नवंबर में जीएसटी संग्रह 1.70 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी । नई दिल्ली

देश में नवंबर माह का सकल जीएसटी संग्रह मामूली बढ़त के साथ 1.70 लाख करोड़ रुपये पर दर्ज हुआ। यह आंकड़ा पिछले वर्ष नवंबर के 1.69 लाख करोड़ रुपये की तुलना में केवल 0.7 प्रतिशत अधिक है, जिसका मुख्य कारण घरेलू राजस्व में आई गिरावट बताया जा रहा है। जीएसटी महानिदेशालय के अनुसार नवंबर 2024 की तुलना में इस वर्ष कुल सकल संग्रह 1,70,276 करोड़ रुपये रहा। वहीं नेट जीएसटी राजस्व 1.3 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1.52 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। अक्टूबर में जीएसटी संग्रह में 4.6 प्रतिशत की उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई थी, जब राजस्व 1.96 लाख करोड़ रुपये दर्ज हुआ था। नवंबर के कुल जीएसटी राजस्व में सीजीएसटीः 34,843 करोड़ रुपये, एसजीएसटीः 42,522 करोड़ रुपये, आईजीएसटीः 92,910 करोड़ रुपये शामिल रहे।

सोना–चांदी के दामों में नरमी, सर्राफा बाजार में हल्की गिरावट

एजेंसी । नई दिल्ली

सप्ताह की शुरुआत घरेलू सर्राफा बाजार के लिए सुस्त रही। सोने और चांदी दोनों ही कीमती धातुओं के दाम आज हल्की गिरावट के साथ खुले। सोने की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में नरमी का असर भारतीय बाजारों में भी देखने को मिला, जिसके चलते अधिकांश शहरों में भाव नीचे फिसले।

सोने के दामों में हल्की कमजोरी

देशभर के प्रमुख सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,29,810 से 1,29,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच कारोबार करता दिखा। वहीं 22 कैरेट सोने का भाव 1,18,990 से 1,19,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में रहा। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,29,960 रुपये पर और 22 कैरेट 1,19,140 रुपये पर बिक रहा है। मुंबई में 24 कैरेट का भाव 1,29,810 रुपये और 22 कैरेट का 1,18,990 रुपये रहा। अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना 1,29,860 रुपये तथा 22 कैरेट 1,19,040 रुपये पर उपलब्ध है। चेन्नई और कोलकाता दोनों ही शहरों में आज 24 कैरेट सोना 1,29,810 रुपये तथा 22 कैरेट 1,18,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सफेद धातु की भी चमक फीकी

चांदी भी हुई सस्ती दिल्ली में चांदी की कीमत आज 1,84,900 रुपये प्रति किलोग्राम रही, जो पिछले सत्र की तुलना में हल्की गिरावट दर्शाती है। दक्षिणी राज्यों में भी मामूली गिरावट कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार भी सोने में आई इस नरमी से अछूते नहीं रहे। बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,29,810 रुपये और 22 कैरेट 1,18,990 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर दिखा। कुल मिलाकर, आज देशभर के सर्राफा बाजारों में सोना–चांदी के दामों में हल्की नरमी रही, हालांकि मांग का रुझान स्थिर बना हुआ है।

चेल्सी ने 10 खिलाड़ियों के साथ आर्सेनल को रोका

लंदन डर्बी 1-1 पर खत्म

एजेंसी | लंदन

स्टैमफोर्ड ब्रिज में रविवार को खेला गया लंदन डर्बी रोमांच, तनाव और तेज़ रफ्तार फुटबॉल से भरपूर रहा। शुरुआती हाफ में एक खिलाड़ी कम होने के बावजूद चेल्सी ने टॉप-ऑफ-द-टेबल आर्सेनल को 1-1 की बराबरी पर रोककर मुकाबले को यादगार बना दिया।

38वें मिनट में मोइसेस कैइसेडो को मिकेल मेरिनो पर खतरनाक टैकल के चलते वीएआर हस्तक्षेप के बाद सीधे लाल कार्ड से बाहर भेज दिया गया। एक खिलाड़ी कम होने से चेल्सी दबाव में आ गई, लेकिन दूसरे हाफ की शुरुआत में ही टीम ने संघर्ष का शानदार नमूना पेश किया। कप्तान रीस जेम्स के कॉर्नर पर ट्रेवोह चालोबा ने ऊंची छलांग लगाते हुए हेडर से गोल दागा और चेल्सी को 1-0 की बढ़त दिलाई।

मेरिनो ने बचाई आर्सेनल की प्रतिष्ठा

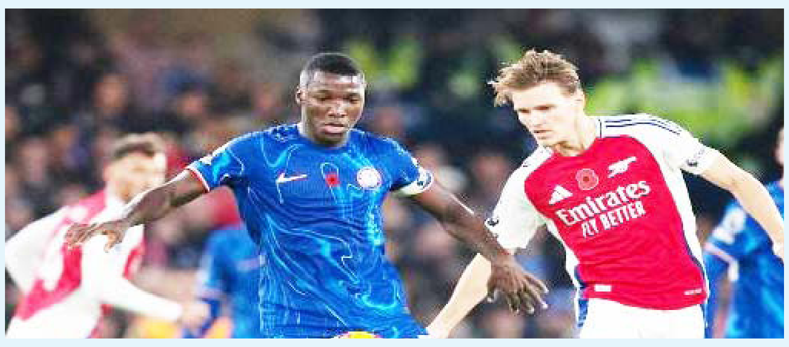

59वें मिनट में बुकॉयो साका ने दाहिनी ओर से खूबसूरत क्रॉस भेजा, जिस पर मेरिनो ने सटीक हेडर लगाकर स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद आर्सेनल ने चेल्सी के बॉक्स पर लगातार आक्रमण किए। सब्स्टीट्यूट मार्टिन ओडेगार्ड दो बार करीब से चूक गए, जबकि इंजरी टाइम में मेरिनो का जोरदार शॉट चेल्सी गोलकीपर रॉबर्ट सांचेज़ ने शानदार तरीके से रोककर टीम को बचा लिया।

तनाव भरा मुकाबला, सात पीले कार्ड

मैच का टेंपो शुरुआत से ही बेहद ऊंचा था। रैफरी एंथनी टेलर ने सात पीले कार्ड दिखाए— छह आर्सेनल खिलाड़ियों को और एक चेल्सी के मार्क कुकुरेला को, जो पूरे मैच में साका को रोकने की जद्दोजहद में लगे दिखे। चेल्सी कप्तान रीस जेम्स ने कहा– 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना आसान नहीं था, लेकिन टीम ने जिस तरह लड़ाई लड़ी, वह काबिले–तारीफ है। एक अंक लेकर निराशा जरूर है, पर गर्व भी है।

अंकतालिका में शीर्ष पर आर्सेनल

इस ड्रॉ से आर्सेनल 30 अंकों के साथ शीर्ष पर कायम है। दूसरे स्थान पर मौजूद मैनचेस्टर सिटी उससे 5 अंक पीछे है। वहीं चेल्सी 24 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर बनी हुई है। अंतत:, लंदन डर्बी ने एक बार फिर दिखा दिया कि इंग्लिश फुटबॉल में प्रतिस्पर्धा कितनी तीव्र है — और क्यों यह मुकाबला दुनिया भर के प्रशंसकों के लिए खास रहता है।

पंजाब एफसी ने युवा स्टार मोहम्मद सुहैल पर जताया भरोसा

प्रतिभाशाली खिलाड़ी के साथ करार 2029

मोहाली। पंजाब एफसी ने अपने प्रतिभाशाली युवा फॉरवर्ड मोहम्मद सुहैल को टीम से जोड़े रखने का बड़ा फैसला लेते हुए उनका करार अगले चार साल के लिए बढ़ा दिया है। इस विस्तार के साथ सुहैल अब 2029 तक क्लब का हिस्सा बने रहेंगे। क्लब का यह कदम उसके दीर्घकालिक फुटबॉल विज़न और युवा खिलाड़ियों को निखारने की रणनीति को और मजबूती देता है। सुहैल की यात्रा पंजाब एफसी के साथ तब शुरू हुई थी जब उन्होंने मात्र 13 वर्ष की उम्र में क्लब की अकादमी में प्रवेश लिया। तेज़ी से आगे बढ़ते हुए उन्होंने रिलायंस फाउंडेशन डेवलपमेंट लीग में गोल्डन बॉल जीता, क्लब को राष्ट्रीय खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई और सीनियर टीम का हिस्सा बने। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उन्होंने भारत की अंडर–23 टीम के लिए बहरीन और कतर के खिलाफ आकर्षक गोल दागते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

कम समय में किया बेहतरीन प्रदर्शन

पंजाब एफसी के टेक्निकल डायरेक्टर निकोलाओस टोपोलियाटिस ने सुहैल की क्षमताओं की सराहना करते हुए कहा, सुहैल शानदार युवा खिलाड़ी हैं, जिनमें मेहनत, लक्ष्य और प्रतिबद्धता का बेहतरीन संतुलन है। कम उम्र में उन्होंने आईएसएल और अंतरराष्ट्रीय मैचों में उम्मीद से बढ़कर प्रदर्शन किया है। यह लंबा करार उनके भविष्य और हमारी योजनाओं पर पूर्ण विश्वास का प्रतीक है। क्लब का यह निर्णय ऐसे समय आया है जब पंजाब एफसी को आईएसएल के 'बेस्ट एलीट यूथ प्रोग्राम' पुरस्कार से नवाजा गया है, जो क्लब के मजबूत युवा ढांचे और उभरते खिलाड़ियों की सफलता का प्रमाण है।

डुप्लांटिस और मैक्लॉघलिन–लेवरोन को 'वर्ल्ड एथलीट ऑफ द ईयर' का सम्मान

नई दिल्ली। एथलेटिक्स जगत के दो दिग्गज—स्वीडन के पोल वॉल्ट सनसनी मोंडो डुप्लांटिस और अमेरिका की 400 मीटर विश्व चैंपियन सिडनी मैक्लॉघलिन-लेवरोन—को इस वर्ष का प्रतिष्ठित 'वर्ल्ड एथलीट ऑफ द ईयर' पुरस्कार प्रदान किया गया है।

मैक्लॉघलिन-लेवरोन का ऐतिहासिक साल

अमेरिकी स्टार मैक्लॉघलिन–लेवरोन के लिए यह साल रिकॉर्ड और उपलब्धियों से भरा रहा। वे लगातार 400 मीटर और 400 मीटर हर्डल्स दोनों में दो वर्षों से अपराजित हैं। टोक्यो में 400 मीटर का उनका 47.78 सेकंड का समय अब तक का दूसरा सबसे तेज़ प्रदर्शन है।

डुप्लांटिस का दबदबा कायम

डुप्लांटिस ने इस साल अपने शानदार प्रदर्शन से एक बार फिर साबित किया कि वे पोल वॉल्ट में दुनिया के सबसे बड़े नाम क्यों हैं। टोक्यो में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में उन्होंने अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखा। पूरे सीजन में 16 प्रतियोगिताओं में अपराजित रहे। अपने ही विश्व रिकॉर्ड को चार बार तोड़ा और लगातार पांचवां डायमंड लीग खिताब अपने नाम किया। पुरस्कार पर प्रतिक्रिया देते हुए 26 वर्षीय डुप्लांटिस ने कहा कि वे खुद को और बेहतर बनाने की कोशिश जारी रखेंगे।

प्रीमियर लीग 2025–26

इसाक के गोल से लिवरपूल को राहत

वेस्ट हैम पर 2–0 की जीत, लिवरपूल 21 अंकों के साथ आठवें स्थान पर

लंदन। लगातार खराब नतीजों से जूझ रही लिवरपूल टीम को आखिरकार जीत का स्वाद मिला। टीम के स्टार फॉरवर्ड अलेक्ज़ेंडर इसाक ने प्रीमियर लीग में पहली बार गोल दागते हुए वेस्ट हैम यूनाइटेड के खिलाफ 2–0 की अहम जीत में मुख्य भूमिका निभाई। पिछले 12 में से 9 मैच हार चुकी लिवरपूल पर दबाव गहरा था। ऐसे में मैनेजर अरने स्लॉट ने बड़ा कदम उठाते हुए मोहम्मद सालाह को शुरुआती लाइनअप से बाहर कर दिया। उनकी जगह शामिल किए गए फ्लोरियन विट्ज़ ने मौके बनाए, लेकिन पहले हाफ में एक आसान गोल मौका गंवा बैठे। पहले हाफ में इसाक भी दो बार गोल चूक गए, पर दूसरे हाफ के 60वें मिनट में कोडी गाक्पो के बेहतरीन पास पर उन्होंने गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। इसी दौरान वेस्ट हैम को बड़ा झटका लगा—लुकास पाक्वेटा को मात्र एक मिनट में दो बार पीला कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया गया। इंजरी टाइम में गाक्पो ने दूसरा गोल जोड़ दिया और जीत सुनिश्चित कर दी। इस जीत के साथ लिवरपूल अब 21 अंकों के साथ आठवें स्थान पर पहुंच गया है, जबकि वेस्ट हैम 11 अंकों के साथ 17वें स्थान पर खिसक गया।

ब्राइटन ने फॉरेस्ट को 2–0 से पराजित किया

ब्राइटन एंड होव एल्बियन ने नॉटिंघम फॉरेस्ट को उसके घरेलू मैदान पर 2–0 से शिकस्त देकर प्रीमियर लीग में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और पहले हाफ में 13 शॉट दागे। पहला गोल हाफ टाइम से पहले आया—जॉर्जिनियो रुटर के क्रॉस पर डे क्यूपर ने शानदार फिनिश देते हुए गेंद को नेट में पहुंचाया। मैच के अंतिम मिनटों में फॉरेस्ट की डिफेंस की गलती का फायदा उठाते हुए स्तेफानोस तिज़िमास ने दूसरा गोल दाग दिया। फॉरेस्ट, जिसने अपने पिछले दो मुकाबलों में जीत दर्ज की थी।

बोनमती नेशंस लीग फाइनल से बाहर

नई दिल्ली। स्पेन की मिडफील्डर ऐताना बोनमती नेशंस लीग फाइनल के दूसरे चरण से बाहर हो गई हैं। रविवार को ट्रेनिंग के दौरान उनकी बाईं फिबुला (पैर की हड्डी) में फ्रैक्चर हो गया था। बोनमती ने शुक्रवार को जर्मनी के खिलाफ खेले गए महिला नेशंस लीग फाइनल के पहले चरण में हिस्सा लिया था, जो 0-0 की बराबरी पर खत्म हुआ था। इसके बाद टीम दूसरे चरण की तैयारी कर रही थी, जो 2 दिसंबर को एस्टाडियो मेट्रोपोलितानो में खेला जाना है। रॉयल स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन के अनुसार रविवार को मेडिकल जांच के बाद पाया गया कि ऐताना बोनमती की बाईं फिबुला में फ्रैक्चर है। खिलाड़ी अब बार्सिलोना लौटेंगी और वहीं से अपनी रिकवरी शुरू करेंगी। 27 वर्षीय बोनमती के लिए यह चोट ऐसे समय आई है जब उन्होंने बेहद शानदार साल बिताया है।

बॉ ली वु ड

'फिल्म इंडस्ट्री में सफलता के लिए रिस्क नहीं, कॉन्फिडेंस जरूरी': राम गोपाल वर्मा

@लोकेश चंद्रा

1995 में रिलीज हुई आमिर खान और उर्मिला मातोंडकर की कल्ट-क्लासिक 'रंगीला' एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही है। लगभग 30 साल बाद इस प्रतिष्ठित फिल्म को दोबारा सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। आरडी बर्मन के संगीत, ए.आर. रहमान के बैकग्राउंड स्कोर, आमिर-उर्मिला की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री और राम गोपाल वर्मा की यूनिक डायरेक्शन स्टाइल ने इस फिल्म को 90 के दशक की सबसे यादगार फिल्मों में शामिल किया था। इस खास मौके पर फिल्म के निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने विशेष बातचीत की। इस दौरान उन्होंने न सिर्फ 'रंगीला' के पुनः-रिलीज होने को लेकर अपनी भावनाएं शेयर कीं, बल्कि अपने फिल्मी करियर, बदलते सिनेमाई दौर और साउथ वर्सेज बॉलीवुड बहस पर भी खुलकर बात की।

Q क्या आप बता सकते हैं कि ए.आर. रहमान को इस परियोजना से जोड़ने का निर्णय कैसे लिया गया?

'रंगीला' से पहले भी मैंने रहमान का काम सुना था और सच कहूं तो उनके संगीत की बनावट, उनका रिदम सब कुछ मुझे चकित कर देता था। अच्छे संगीतकार बहुत होते हैं, लेकिन रहमान की धुनों में जो ताज़गी और एक्सपेरिमेंटल टच होता था, वो किसी और में नहीं मिला। यही वजह थी कि मैं शुरुआत से ही इस फिल्म का म्यूजिक उन्हीं से करवाने को लेकर बहुत उत्सुक था। मैंने म्यूजिक की प्रोसेस में कभी दखल नहीं दिया, क्योंकि मुझे भरोसा था कि रहमान जो बनाएंगे, वो कमाल ही होगा। और हुआ भी वही 'रंगीला' का संगीत जितना हिट हुआ, उससे साफ दिखता है कि उस वक्त रहमान ने जो क्रिएट किया, वैसा जादू शायद दोबारा कभी रिपीट होना मुश्किल है।

Q क्या आपको लगता है कि आज के फिल्मकार हिंदी सिनेमा में रिस्क लेने या नए प्रयोग करने से कतराते हैं?

मैं अपनी बात करूं तो मैंने कभी फिल्मों को रिस्क मानकर नहीं बनाया। हर प्रोजेक्ट मेरे लिए एक तरह का कॉन्फिडेंस था, कहानी पर, अपनी टीम पर और अपने क्रिएटिव इंट्यूशन पर। इसके उलट, जो लोग सिर्फ एक ही तरह की फिल्में बार–बार बनाते रहते हैं, दरअसल वही सबसे बड़ा रिस्क ले रहे होते हैं। दर्शक आज बेहद जागरूक हैं और उनकी पसंद लगातार बदल रही है। इसी वजह से करीब 90 प्रतिशत फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फेल हो रही हैं। इसका सरल मतलब यह है कि इस इंडस्ट्री में अब किसी भी फॉर्मूले या शैली की सफलता की कोई गारंटी नहीं बची है। ओरिजिनलिटी और होनेस्टी ही काम आती है।

Q आज पीछे मुड़कर देखें तो 'रंगीला' आपके करिअर के लिए क्या मायने रखती है?

कुछ फिल्में सचमुच टाइमलेस होती हैं। उन्हें आप किसी भी दौर में देख लें, हर बार वही मज़ा, वही एंटरटेनमेंट मिलता है। इस फिल्म की कहानी और इसके किरदार आज भी दर्शकों के साथ वैसे ही जुड़ते हैं जैसे पहली बार जुड़ते थे। इसके गानों को जिस तरह से कंपोज़ किया गया और जिस खूबसूरती से उन्हें फिल्माया गया, उसने अपने समय में एक नया बेंचमार्क सेट कर दिया था। कई ऐसे क्रिएटिव एलिमेंट्स हैं जो एक साथ आकर इस फिल्म को न सिर्फ सफल बनाते हैं, बल्कि उसे एक क्लासिक का दर्जा भी दिलाते हैं।

Q 'कांतारा' की सफलता के बाद, क्या हिंदी फिल्ममेकरों को साउथ सिनेमा से सीख लेनी चाहिए? आपने इस पर एक ट्वीट भी किया था, उसके पीछे आपकी सोच क्या थी?

देखा जाए तो साउथ में भी कई फिल्में बनती हैं जो उम्मीद के अनुसार अच्छी नहीं होतीं। अक्सर हम केवल सफल या अच्छी फिल्मों को देखकर यही मान बैठते हैं कि वहां हर फिल्म बेहतरीन होती है, लेकिन यह सच नहीं है। हां, रिषभ शेट्टी और संदीप वांगा रेड्डी जैसे कुछ चुनिंदा फिल्ममेकर ऐसे हैं जो ओरिजिनल, नया और क्रिएटिव कंटेंट बना रहे हैं, लेकिन ये काफी सीमित उदाहरण हैं। मुंबई की कॉर्पोरेट प्रोडक्शन कंपनियों में अक्सर 10 लोग बैठकर फिल्म के हर पहलू पर निर्णय लेते हैं। मेरा अनुभव कहता है कि इससे क्रिएटिविटी प्रभावित होती है और अक्सर निर्णय उस फिल्म के लिए सही साबित नहीं होते। इसके उलट, जब कोई प्रतिभाशाली निर्देशक अकेले या छोटे ग्रुप के साथ फिल्म पर काम करता है, तो वह कुछ बिल्कुल अलग और असाधारण क्रिएट कर सकता है। मेरा मानना है कि सबसे बेहतर तरीका यह होगा कि निर्देशक को पूरी क्रिएटिव आजादी दी जाए, ताकि वह अपनी कहानी और विज़न को पूरी तरह से फिल्म में उतार सके। बाद में प्रोडक्शन की टीम बिज़नेस और मार्केटिंग जैसे पहलुओं पर सलाह और निर्णय ले सकती है। इस तरह का बैलेंस क्रिएटिव फ्रीडम और बिज़नेस इनपुट का फिल्म की गुणवत्ता और सफलता दोनों के लिए सबसे कारगर साबित हो सकता है।

Q आज के सिनेमाई माहौल में वही कहानी कहनी हो तो आप क्या बदलाव सुझाएंगे?

'रंगीला' की कहानी हर दौर में उतनी ही प्रासंगिक और रिलेटेबल है, इसलिए मुझे नहीं लगता कि इसमें किसी बदलाव की जरूरत है। मैं व्यक्तिगत रूप से नहीं चाहूंगा कि इसका सीक्वल बनाया जाए या इसे दोबारा रिक्रिएट करने की कोशिश हो। इस फिल्म की आत्मा इसके कलाकारों, संगीत और उस दौर की मासूमियत में है, जिसे दोबारा वैसा ही गढ़ पाना मुश्किल है। दर्शक भी शायद इस कहानी को किसी नए कलाकार के साथ देखना पसंद न करें, क्योंकि उनके लिए 'रंगीला' उसी रूप में परफेक्ट है जैसा वह बनी थी।

'बॉर्डर 2' से दिलजीत दोसांझ की पहली झलक आई सामने

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल की फिल्म 'बॉर्डर' 1997 में रिलीज हुई थी, जिसे खूब पसंद किया गया था। अब कई साल बाद इस फिल्म के सीक्वल 'बॉर्डर 2' पर लोगों की नजरें टिकी हुई हैं। निर्माताओं ने सनी और वरुण धवन के बाद, फिल्म से दिलजीत दोसांझ की पहली झलक जारी कर दी है। यह पोस्टर सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गया है, जिसने लोगों को 'बॉर्डर 2' के लिए अभी से उत्साहित कर दिया है।

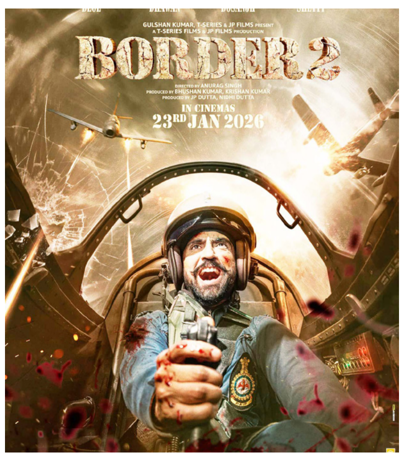

जनवरी में रिलीज होगी 'बॉर्डर 2'

फिल्म 'बॉर्डर 2' से सामने आए पोस्टर में दिलजीत का काफी भयानक दृश्य दिखाई दिया है। विमान में बैठे खून से लथपथ दिलजीत, दुश्मनों के साथ जवाबी कार्रवाई करते हुए नजर आए हैं। सैनिक के अवतार में उनका यह लुक काबिल–ए–तारीफ है। 'बॉर्डर 2' में अहान शेट्टी, सोनम बाजवा, मेधा राणा और मोना सिंह भी प्रमुख किरदार में हैं। फिल्म का निर्माण भूषण कुमार और जेपी दत्ता ने मिलकर किया है, जो 23 जनवरी, 2026 को रिलीज हो रही है।

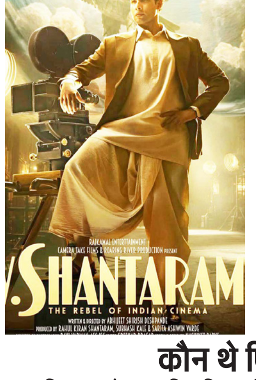

वी. शांताराम की भूमिका निभाएंगे सिद्धांत चतुर्वेदी

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी को आखिरी बार फिल्म 'धड़क 2' में देखा गया था। तृप्ति डिमरी के साथ वाली इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी थी। फिलहाल अभिनेता अपनी आगामी फिल्म के लिए कमर कस रहे हैं जो एक बायोपिक होगी। इसमें उन्हें मशहूर फिल्म निर्माता वी शांताराम का किरदार निभाते हुए देखा जाएगा। दिलचस्प बात ये है कि इस बायोपिक फिल्म से सिद्धांत की पहली झलक भी सामने आ चुकी है।

कौन थे फिल्म निर्माता वी शांताराम?

पद्म विभूषण से सम्मानित फिल्म निर्माता वी शांताराम का हिंदी और मराठी सिनेमा में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वह उन फिल्मकारों में से थे, जिन्होंने सामाजिक मुद्दों को फिल्मी पर्दे पर उतारने का बखूबी काम किया। उनकी बेहतरीन फिल्मों में 'अमर भूपाली' (1951), 'दो आंखें बारह हाथ' (1957) और 'नवरंग' (1959) जैसे नाम शामिल हैं। उनके काम का प्रभाव सिर्फ भारत में नहीं, बल्कि विदेशों में भी पड़ा था। उनकी फिल्म 'मानूस' की तारीफ खुद चार्ली चैपलिन ने की थी।

दित्वा का कहर

334 मौतें, दस लाख लोग बेघर

एजेंसी | कोलंबो

श्रीलंका चक्रवाती तूफान दित्वा की चपेट में आने के बाद अभूतपूर्व मानवीय संकट से गुजर रहा है। भारी बारिश, तेज हवाओं और पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन ने द्वीप के बड़े हिस्से को तबाह कर दिया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार देशभर में 10 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि 334 लोगों की मौत की आधिकारिक पुष्टि हो चुकी है। सैकड़ों लोग लापता हैं और हजारों परिवार अपने घरों से बेदखल होकर राहत शिविरों में शरण लेने को मजबूर हैं। आपदा प्रबंधन केंद्र के मुताबिक 309,607 परिवारों के 11 लाख से ज्यादा लोग तूफान से प्रभावित हुए हैं। 370 लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश युद्धस्तर पर जारी है। सबसे ज़्यादा तबाही कैंडी जिले में हुई है, जहां 88 मौतें और 150 लापता लोगों की सूचना है। बादुल्ला, नुवारा एलिया और कुरुनेगला में भी मौतों और लापता लोगों का आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है।

- श्रीलंका में चक्रवात 'दित्वा' का तांडव जारी, सैकड़ों लोग अभी भी लापता
- राहत शिविरों में शरण लेने को मजबूर, 1,494 राहत शिविर सक्रिय

दो लाख लोग पहुंचे अस्थाई शिविर

देशभर में 1,494 राहत शिविर सक्रिय हैं, जहां लगभग 196,790 लोग अस्थायी रूप से रह रहे हैं। कई ज़िलों में घर, सड़कें, पुल और परिवहन के अन्य साधन या तो बह गए हैं या मलबे के नीचे दब गए हैं। गम्पाहा, बादुल्ला और कोलंबो ज़िले सबसे अधिक विस्थापितों का बोझ झेल रहे हैं।

एयरफोर्स का हेलीकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त

दित्वा के बीच राहत कार्य भी जोखिम में पड़ गए। पुट्टलम में बचाव अभियान में लगा श्रीलंका एयर फ़ोर्स का एक बेल-212 हेलीकॉप्टर हादसे का शिकार हो गया, जिसमें पांच लोग घायल हुए। वहीं मालिसिरिपुरा (कुरुनेगला) में भूस्खलन के मलबे में करीब 200 लोगों के दबे होने की आशंका जताई गई है।

प्रभावित क्षेत्रों में रेस्क्यू आपरेशन जारी

सेना, वायुसेना और स्थानीय प्रशासन प्रभावित क्षेत्रों में लगातार रेस्क्यू अभियान चला रहे हैं। कोलंबो से कई विशेष टीमें भेजी गई हैं, जहां बाढ़ में फंसे लोगों को निकालने की कोशिशें जारी हैं। कई जलाशय क्षमता से अधिक भर चुके हैं, जिनके गेट खोलने से निचले इलाकों में पानी और बढ़ रहा है।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग की अपील

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि चक्रवात अभी भी देश के उत्तर की ओर सक्रिय है और तट से लगभग 210 किलोमीटर दूर है। गाले, मटारा, मोनेरागला और नुवारा एलिया सहित कई जिलों में आज भी तेज बारिश और हवाओं की संभावना है। श्रीलंका सरकार ने इसे हाल के वर्षों की सबसे भयावह प्राकृतिक आपदाओं में से एक बताया है और अंतरराष्ट्रीय सहायता एजेंसियों से सहयोग की अपील की है।

IAF ने कोलंबो में फंसे भारतीयों को निकाला

आखिरी जत्थे के साथ तिरुवनंतपुरम पहुंचा वायुसेना का विमान

एजेंसी | कोलंबो

श्रीलंका में चक्रवात 'दित्वा' से मची भारी तबाही के बीच भारत ने 'ऑपरेशन सागर बंधु' के तहत बड़े पैमाने पर बचाव और राहत अभियान चलाया। कोलंबो एयरपोर्ट पर फंसे भारतीयों का आखिरी जत्था वायुसेना के विमान से तिरुवनंतपुरम पहुंच गया।

विमान में चढ़ने से पहले यात्रियों ने 'भारत माता की जय' का नारा लगाकर भारतीय वायुसेना का आभार जताया। भारतीय हाई कमिशन की देखरेख में अब तक 300 से अधिक भारतीय नागरिकों को एयरलिफ्ट कर सुरक्षित वापस भेजा जा चुका है।

भारत ने भेजी 21 टन राहत सामग्री

देशभर में 11 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित और करीब दो लाख लोग बेघर हो चुके हैं। कैंडी, बडुल्ला और नुवारा एलिया सबसे अधिक प्रभावित जिले बताए जा रहे हैं। भारत ने संकट की इस घड़ी में श्रीलंका को व्यापक मानवीय सहायता भेजी है। वायुसेना अब तक 21 टन राहत सामग्री, 80 से अधिक एनडीआरएफ कर्मी और आवश्यक उपकरण उतार चुकी है, जबकि नौसेना का आईएनएस सुकन्या राहत सामग्री लेकर त्रिंकोमाली पहुंच चुका है।

नहीं बढ़ेगी वक्फ संपत्ति रजिस्ट्रेशन की समय सीमा

सुप्रीम कोर्ट का इनकार, ट्रिब्यूनल से राहत लेने की सलाह

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संपत्ति के रजिस्ट्रेशन की छह दिसंबर को समाप्त हो रही समय सीमा को आगे बढ़ाने की मांग ठुकरा दी है। जस्टिस दीपांकर दत्ता की अध्यक्षता वाली पीठ ने साफ कहा कि यदि तकनीकी कारणों से 'उम्मीद' पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन में दिक्कत आ रही है, तो संबंधित पक्ष वक्फ ट्रिब्यूनल के सामने समय बढ़ाने का आग्रह कर सकते हैं। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं ने दलील दी कि पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के लिए दिए गए छह महीनों में से अधिकांश समय वक्फ कानून पर अंतरिम आदेश आने में ही बीत गया, जिससे आवेदन दाखिल करने का पर्याप्त समय नहीं मिल पाया। साथ ही पोर्टल पर सर्वर की समस्या का मुद्दा भी उठाया गया। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने अदालत को बताया कि संशोधन 8 अप्रैल से लागू हुआ, जबकि पोर्टल 6 जून को शुरू हुआ और नियम 3 जुलाई को जारी किए गए। ऐसे में सौ वर्ष से अधिक पुराने वक्फों के विवरण जुटाना चुनौतीपूर्ण है, जबकि बिना पूर्ण जानकारी के पोर्टल आवेदन स्वीकार नहीं करता।

ट्रिब्यूनल को समय सीमा बढ़ाने का अधिकार

केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि बड़ी संख्या में वक्फ संपत्तियां पहले ही रजिस्टर्ड हो चुकी हैं। इस पर अधिवक्ता एम.आर. शमशाद ने स्पष्ट किया कि विवाद रजिस्ट्रेशन का नहीं, बल्कि पहले से रजिस्टर्ड संपत्तियों के डिजिटाइजेशन का है, जिसे अंतरिम आदेश में पर्याप्त रूप से नहीं देखा गया। अंत में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वक्फ अधिनियम की धारा 3बी के तहत ट्रिब्यूनल को समय सीमा बढ़ाने का अधिकार प्राप्त है। इसलिए सभी आवेदकों को अंतिम तिथि से पहले ट्रिब्यूनल से राहत मांगनी चाहिए।

असम में विशेष पुनरीक्षण के आदेश को सुको में चुनौती

नई दिल्ली। गौहाटी हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मृणाल कुमार चौधरी ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर असम में निर्वाचन आयोग द्वारा जारी विशेष पुनरीक्षण के आदेश को चुनौती दी है। याचिका में आयोग से मांग की गई है कि असम में भी पूरे देश की तरह विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का आदेश जारी किया जाए। याचिका में आरोप लगाया गया है कि 17 नवंबर के आदेश में आयोग ने केवल असम के लिए "विशेष पुनरीक्षण" का निर्देश दिया, जबकि छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, गोवा, गुजरात, केरल, तमिलनाडु, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, अंडमान-निकोबार, लक्षद्वीप और पुडुचेरी में विशेष गहन पुनरीक्षण लागू किया गया है।

न्यूज़ ब्रीफ

74 करोड़ रुपये के क्रिप्टो करेंसी कारोबार में दो गिरफ्तार

काठमांडू। पुलिस ने 74 करोड़ रुपये के क्रिप्टो करेंसी कारोबार में संलिप्त दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। इस एक हफ्ते में क्रिप्टो कारोबार में यह दूसरी बड़ी गिरफ्तारी है। पुलिस अधीक्षक पवन मार भट्टाराई के अनुसार मूल रूप से मोरंग के रहने वाले काठमांडू निवासी 36 वर्षीय विशाल डंगोल और काठमांडू के कलंकी में निवास कर रहे 45 वर्षीय उमेश श्रेष्ठ को गिरफ्तार किया गया है। विशेष सूचना के आधार पर काठमांडू जिला पुलिस परिसर की टीम ने सोमवार को बिजुलीबजार क्षेत्र से इन दोनों लोगों को पकड़ा है। पुलिस ने क्रिप्टो लेनदेन में उपयोग किए गए पांच मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। भट्टाराई ने बताया कि मामले की आगे जांच जारी है। उन्होंने बताया कि इस हफ्ते की अब दूसरी बड़ी गिरफ्तारी है। पिछली बार क्रिप्टो कारोबार में संलग्न दो युवाओं की गिरफ्तारी के बाद आज यह गिरफ्तारी हुई है।

राज्यसभा में जगदीप धनखड़ का जिक्र

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत के साथ ही सरकार की नीतियों और सत्ताधारी खेमे-NDA की नीयत का विरोध करने वाली आवाजें बुलंद होती दिख रही हैं। राज्यसभा में पूर्व उपराष्ट्रपति और सदन के पीठासीन सभापति रहे जगदीप धनखड़ का जिक्र हुआ। विपक्षी खेमे के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने सभापति राधाकृष्णन से दोनों पक्षों के साथ इंसाफ करने की अपील की। खरगे ने पीठासीन सभापति का अभिनंदन करते हुए अपने वक्तव्य में कहा, 'कांग्रेस सांविधानिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं के साथ दृढ़ता से खड़ी है।' उन्होंने कहा कि सदन की कार्यवाही का निष्पक्ष संचालन, प्रत्येक पक्ष के सदस्यों को उचित अवसर प्रदान करना, सभापति के कार्यालय की विश्वसनीयता के लिए जरूरी है।

ब्वॉयफ्रेंड की लाश से की प्रेमिका ने शादी

मुंबई। महाराष्ट्र के नांदेड में एक ऐसी वारदात सामने आई जिसने पूरे क्षेत्र को हिला दिया। एक लड़की आंचल ने अपने प्रेमी सक्षम टेटे की खून से सनी लाश के सामने सिंदूर भरकर उससे शादी की। यह कदम उसने तब उठाया जब उसके पिता और भाइयों पर उसके प्रेमी की हत्या करने का आरोप लगा। यह पूरा मामला कथित ऑनर किलिंग से जुड़ा बताया जा रहा है, जिसमें जातिगत भेदभाव और परिवार की नफरत ने एक युवा की जान ले ली। घटना ने पुलिस की भूमिका पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आंचल ने बताया कि वह और सक्षम तीन साल से एक-दूसरे के साथ थे।

LOC पर घुसपैठ की चार घटनाएं, आठ आतंकी ढेर : आईजी

बीएसएफ के आईजी ने कहा- इस साल घुसपैठ के प्रयासों में आई कमी

एजेंसी | श्रीनगर

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने सोमवार को कहा कि कश्मीर फ्रंटियर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ के प्रयासों में इस साल कमी आई है, अब तक केवल चार प्रयासों की सूचना मिली है। इनमें से दो प्रयास ऑपरेशन सिन्दूर से पहले और दो उसके बाद किए गए। बीएसएफ के 61वें स्थापना दिवस के अवसर पर हुमहामा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कश्मीर फ्रंटियर के महानिरीक्षक (आईजी) अशोक यादव ने बताया कि इन घुसपैठों में 13 घुसपैठिए शामिल थे, जिनमें से आठ को सेना ने मार गिराया और पांच को पीछे धकेल दिया। उन्होंने कहा कि सेना के साथ समन्वय में नियंत्रण रेखा पर प्रभावी प्रभुत्व ने प्रयासों की संख्या को कम करने में योगदान दिया। उनके कार्यकाल के दौरान सेना और बीएसएफ के संयुक्त अभियानों में घुसपैठ की चार कोशिशों को नाकाम कर दिया गया।

बीएसएफ के खुफिया इनपुट पर आधारित

यह पूछे जाने पर कि कितने ऑपरेशन पूरी तरह से बीएसएफ के खुफिया इनपुट पर आधारित थे, उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण संख्या में खुफिया इनपुट साझा करना जारी रखता है, जिसके परिणामस्वरूप आतंकवाद विरोधी कार्रवाई होती है, जिसमें युद्ध जैसे भंडार को निष्क्रिय करना और पुनर्प्राप्त करना शामिल है।

घाटी में 10 ठिकानों पर छापा, डा. शाहीन के घर पहुंची NIA

- शोपिया, पुलवामा जिले के अलग-अलग स्थानों पर एनआईए ने ली तलाशी
- 'व्हाइट-कॉलर' मॉड्यूल और दिल्ली धमाके का नेटवर्क तोड़ने की कोशिश तेज

एजेंसी | श्रीनगर

राजधानी दिल्ली में 10 नवंबर को लाल किले के पास हुए भीषण कार विस्फोट की जांच लगातार विस्तृत होती जा रही है। इसी सिलसिले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को कश्मीर घाटी में करीब 10 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। जांच से जुड़े सूत्रों ने बताया कि कार्रवाई शोपियां और पुलवामा जिलों के विभिन्न इलाकों में की गई। जिन घरों पर छापे पड़े उनमें मौलवी इरफान अहमद वागे, डॉ. अदील, डॉ. मुज़म्मिल और आमिर राशिद के आवास शामिल हैं। नादिगाम, कोइल, चंदगाम, मलंगपोरा और संबूरा गांवों में यह तलाशी अभियान सुबह से जारी रहा। एजेंसी उन सुरागों की तलाश में है जो कथित 'व्हाइट-कॉलर' मॉड्यूल और दिल्ली ब्लास्ट के नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं। एनआईए अब तक मामले में छह लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। गौरतलब है कि 10 नवंबर को लाल किले के पास एक कार में हुए उच्च-तीव्रता वाले धमाके में 15 लोगों की मौत हुई थी, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए थे। इस हमले को लेकर एजेंसी कई राज्यों में समन्वित जांच कर रही है।

लखनऊ में डॉ. शाहीन के परिवार से लंबी पूछताछ

एटीएस की टीम भी मौके पर रही मौजूद

लखनऊ। दिल्ली के लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए कार विस्फोट मामले की तफ्तीश तेज हो गई है। इसी कड़ी में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम ने सोमवार सुबह लखनऊ स्थित डॉ. शाहीन के घर पर छापा डाला। फरीदाबाद से आतंकी गतिविधियों में कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार डॉ. शाहीन को दिल्ली धमाके का भी आरोपी बताया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, एनआईए की टीम तड़के ही लखनऊ पहुंची, जिसके साथ यूपी एटीएस और स्थानीय पुलिस बल भी मौजूद था। छापेमारी के दौरान एजेंसी ने शाहीन के पिता सईद अंसारी और बड़े भाई शोएब से विस्तृत पूछताछ की। जांच टीम ने घर की तलाशी में कई अहम दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए जाने की जानकारी दी है। यह पहला मौका है जब एनआईए ने लखनऊ में शाहीन के घर पर कार्रवाई की है। इससे पहले जम्मू-कश्मीर पुलिस, यूपी एटीएस, एसटीएफ और स्थानीय पुलिस उनके परिजनों से पूछताछ कर चुकी है।

पराली को न बनाएं राजनीतिक बहस का मुद्दा: मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत

एजेंसी | नई दिल्ली

राजधानी सहित उत्तर भारत में बढ़ते वायु प्रदूषण पर सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने पराली जलाने को लेकर उठने वाली राजनीतिक बहस पर सख्त टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि किसानों को अकेला दोषी ठहराना उचित नहीं है। "कोरोना काल में भी पराली जलाई जा रही थी, तब आसमान इतना साफ और नीला कैसे था?"—सीजेआई ने यह कहकर स्पष्ट किया कि पराली का मुद्दा राजनीतिक विवाद नहीं, बल्कि समाधान का विषय होना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि वायु प्रदूषण के कई अन्य कारण भी हैं और उन पर रोक लगाने के लिए प्रभावी उपाय किए जाने चाहिए।

एजेंसियों, राज्यों से लिए गए सुझाव

सुनवाई के दौरान आयोग की ओर से बताया गया कि सभी संबंधित एजेंसियों और राज्यों से सुझाव लिए जा चुके हैं। इस पर कोर्ट ने पूछा कि तात्कालिक कदम क्या होंगे। केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने आश्वासन दिया कि सभी रिपोर्टों के आधार पर विस्तृत 'एक्शन टेकन रिपोर्ट' अदालत में दाखिल की जाएगी।

बांग्लादेश : शेख हसीना, रेहाना और ब्रिटिश सांसद को कारावास की सजा

एजेंसी | ढाका

बांग्लादेश में बहुचर्चित राजुक पूर्वांचल न्यू टाउन परियोजना में कथित अनियमितताओं को लेकर बड़ा फैसला आया है। ढाका की एक विशेष अदालत ने भ्रष्टाचार के इस मामले में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को पांच साल, उनकी बहन शेख रेहाना को सात साल, जबकि ब्रिटिश सांसद और हसीना की भतीजी ट्यूलिप सिद्दीकी को दो साल जेल की सजा सुनाई। फैसला विशेष न्यायाधीश मोहम्मद रबीउल आलम ने भारी सुरक्षा घेरा के बीच पूर्वाह्न 11 बजे सुनाया। कोर्ट ने ट्यूलिप और रेहाना पर 1 लाख टका का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना न भरने की स्थिति में ट्यूलिप को छह महीने अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

पूर्व पीएम व उनकी बहन को सात तो सांसद ट्यूलिप को दो वर्ष जेले की सजा

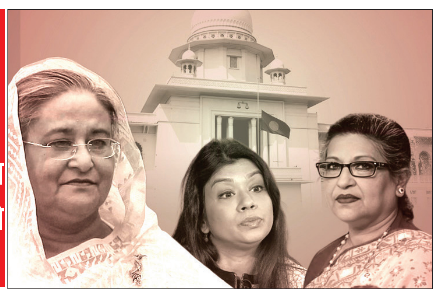

14 अन्य आरोपितों को भी सजा

इस मामले में कुल 14 और लोग दोषी पाए गए, जिन्हें पांच-पांच साल कारावास की सजा सुनाई गई। इनमें पूर्व मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और कई पूर्व सरकारी पदाधिकारी शामिल हैं। भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) ने इस मामले को इसी वर्ष 13 जनवरी को दर्ज किया था।

भारत में रह रही हैं हसीना

ढाका ट्रिब्यून के अनुसार 78 वर्षीय शेख हसीना तख्तापलट के बाद से भारत में रह रही हैं। तीनों प्रमुख आरोपितों की अनुपस्थिति में ही अदालत ने फैसला जारी किया। इस फैसले के साथ हसीना और उनके परिवार के खिलाफ चल रही कानूनी कार्रवाइयों ने एक और निर्णायक मोड़ ले लिया है।

बलूचिस्तान: आत्मघाती हमलावर ने एफसी मुख्यालय का गेट उड़ाया

एजेंसी | क्वेटा

बलूचिस्तान के चगाई ज़िले में रविवार देर रात हालात अचानक तनावपूर्ण हो गए, जब नोक कुंडी स्थित फ्रंटियर कॉर्प्स (एफसी) मुख्यालय दक्षिण पर बड़े आतंकी समूह ने धावा बोल दिया। हमले की शुरुआत उस हुई, जब हमलावर संगठन बीएलएफ (बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट) की एक महिला सदस्य ने एफसी मुख्यालय के प्रवेश द्वार पर खुद को विस्फोट से उड़ा दिया, जिसके बाद उसके साथी परिसर में घुसने में सफल हो गए। बीएलएफ ने बोला— हमने भारी नुकसान पहुंचाया। एफसी के प्रवक्ता ने बताया कि आत्मघाती विस्फोट के बाद सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए कम से कम तीन हमलावरों को मार गिराया।

टीटीपी का नाम भी आया सामने

डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, एफसी प्रवक्ता ने इस हमले को प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की कोशिश बताते हुए कहा कि परिसर की तलाशी जारी है और हो सकता है कि कुछ हमलावर अब भी अंदर छिपे हों। बताया जाता है कि बलोचिस्तान के पंजगुर, क्वेटा सहित कई जिले प्रभावित हैं। उसी रात पंजगुर के गुरमाकन इलाके में एक सुरक्षा चौकी पर भी हमला हुआ, जहां कई घंटे मुठभेड़ चलती रही।

दस रुपये सस्ता हुआ कमर्शियल सिलेंडर, नई दरें प्रभावी

- घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी | नई दिल्ली

साल के आखिरी महीने के पहले दिन राहत देने वाली खबर है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 10 रुपये तक की कटौती की है। हालांकि, घरेलू रसोई गैस के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कमर्शियल गैस की नई दरें सोमवार से प्रभावी हो गई हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, कमर्शियल गैस के दाम में इस कटौती के साथ ही नई दिल्ली में अब 19 किलोग्राम के सिलेंडर की कीमत घटकर 1580.50 रुपये हो गई है, जो पहले 1590.50 रुपये प्रति सिलेंडर थी। कोलकाता में अब कमर्शियल गैस सिलेंडर 1694 रुपये से घटकर 1684 रुपये में मिलेगा।

पश्चिम मेदिनीपुर में हाथियों का कहर, रौंद रहे खेत

- धान की फसल नष्ट होने से किसानों में बढ़ रही चिंता
- सुवर्ण रेखा नदी पार कर गांव पहुंचा हाथियों का दल

एजेंसी | पश्चिम मेदिनीपुर

जिले के नरायणगढ़ इलाके में हाथियों का उत्पात दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। सुवर्णरेखा नदी पार कर आए एक दंतैल समेत चार हाथियों का झुंड कई गांवों के पके धान के खेतों में लगातार नुकसान पहुंचा रहा है, जिससे किसानों में भारी रोष और वन विभाग में चिंता का माहौल है। जानकारी के अनुसार बेलदा रेंज के अंतर्गत बेलटी, सीतली, नूतनडिही, बांसचाटी, धानघोरी और महुलडांगा गांवों में पिछले कई दिनों से शाम ढलते ही हाथियों का आतंक शुरू हो जाता है। पहले हिजली रेंज से दो हाथी पहुंचे थे, फिर केशियाड़ी दिशा से एक और जुड़ गया। शनिवार देर रात कुलबनी जंगल से एक विशाल दंतैल हाथी भी आ मिला, जिसके बाद झुंड का उत्पात और बढ़ गया। वन विभाग का कहना है कि इस क्षेत्र में अभी धान कटाई शुरू नहीं हुई है, वहीं आसपास के कई इलाकों में कटाई पूरी हो चुकी है। इसी वजह से हाथी भोजन की तलाश में इन खेतों की तरफ आ रहे हैं।

भगाने की जुगत में लगा वन विभाग

हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ने के लिए वन विभाग की हुला पार्टी लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन घना जंगल और असमतल भू-भाग अभियान में बाधा बन रहा है। बेलदा रेंजर तौहीद अंसारी के मुताबिक चारों हाथियों को सुरक्षित तरीके से जंगल की ओर लौटाने की कोशिश जारी है, हालांकि पके धान की वजह से वे गांव छोड़ने को तैयार नहीं हैं। लगातार फसल बर्बाद होने से किसानों में गहरी नाराज़गी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द कदम उठाने और जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।